प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ...सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-07, अंक - 48 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 28 अगस्त 2025 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

शिक्षक वो नहीं, जो छात्र के दिमाग में तथ्यों को जबरन डाले, बल्कि वास्तविक शिक्षक वो है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करे।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

राजनीतिक सुधार पर इतनी तकरार क्यों...?

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटवेरा।

सभी राजनीतिक दल भ्रष्टाचारमुक्त और जनहितेषी सरकार का वादा करते हैं और जनता को सुशासन देने का वादा किया जाता है। लेकिन बात जब भ्रष्टाचार के विरुद्ध कानून बनाने को लेकर आती है तो राजनीतिक दल अपना उल्लू सीधा करने के लिए उसका विरोध करने लग जाते हैं। राजनीति में सनसनी बनकर उभरी पार्टी आम आदमी पार्टी जिनका जन्म ही भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन और जन लोकपाल के मुद्दे पर हुआ। अगर वे भी राजनीतिक सुधार का विरोध करें तो आप इसे क्या कहेंगे...? भारतीय राजनीतिक का इतिहास सिद्धांतों और आदर्शों का इतिहास रहा है यहां राजनीतिक नैतिकता के कई उदाहरण देखने को मिले हैं। जहां मात्र एक रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए रेल मंत्री का और हवाई दुर्घटना की जिम्मेदारी लेते हैं नागरिक उदयन मंत्री का इस्तीफा हो गया था। यही नहीं हवाला कांड की डायरी में नाम आने के बाद वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आणवाणी ने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया था और क्लीन चिट मिलने तक कोई चुनाव नहीं लड़ा। लेकिन वर्तमान राजनीतिक दौर में इस प्रकार की नैतिकता की उम्मीद राजनेताओं से करना बेमानी है। उल्टा वर्तमान दौर के राजनेता आरोप लगने के बाद जेल में रहते हुए भी पद पर बने रहना चाहते हैं। जिसको लेकर सरकार ने संसद में एक विधेयक पेश किया है जिसमें अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री 30 दिन से अधिक जेल में रहता है तो उसे हटा दिया जाएगा।

प्रारंभिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो गृहमंत्री अमित शाह द्वारा पेश 130 वा संविधान संशोधन विधेयक 2025 व्यावहारिक और तर्कसंगत दिखाई देता है। जो राजनेताओं को नैतिक मूल्यों की सीख देते हुए संवैधानिक मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा। लेकिन विधेयक पेश होने के साथ ही इसका विरोध शुरू हो गया। इस संशोधन में भ्रष्टाचार के मामले में 5 साल की सजा होने का भी प्रावधान होना है। विधेयक, संविधान के अनुच्छेद 75 , 164 और 239 ए ए में संशोधन का प्रस्ताव भी करता है। इस विधेयक का उद्देश्य शासन में सुचिता और मूल्यों को स्थापित करने के साथ ही सार्वजनिक संस्थाओं में विश्वास पैदा करना है। विधेयक पेश होने के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का आग्रह किया गया। इस समिति में लोकसभा के 21 सदस्य और राज्यसभा के 10 सदस्य होंगे और उन्हें संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के पहले अपनी रिपोर्ट पेश करना होगी।

लोकसभा में इस विधेयक के पेश होने के बाद से ही कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने इसका भारी विरोध किया और इसे अलोकतांत्रिक बताते हुए इसे संघीय ढांचे के खिलाफ बताया। विपक्ष को आशंका है कि, इस विधेयक को हथियार बनाकर सरकार विपक्षियों को निशाने पर ले सकती है और सरकार इसका दुरुपयोग भी कर सकती है।

पिछले कुछ वर्षों में देखे तो राजनीतिक नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप बढ़ते ही जा रहे। वहीं कई मामलों में मंत्री और मुख्यमंत्री तक को जेल जाना पड़ रहा है। ऐसे में जेल जाने के बाद भी जेल से ही संदीय दायित्वों का निर्वहन करते रहे है जीसके बाद सरकार इस तरह का बिल लाई है।

सरकार का कहना है कि, बड़े पदों पर बैठे लोगों में इतनी तो मर्यादा होना ही चाहिए कि, वे जेल जाने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दे।

दिल्ली के तत्कालीक मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 5 माह से अधिक समय तक जेल से सरकार चलाई। वहीं तमिलनाडु सरकार के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी 8 माह तक जेल में रहने के बाद भी मंत्री बने रहे बाद में न्यायालिन आदेश के बाद बाध्य होकर इस्तीफा दिया। वहीं केजरीवाल ने जेल से ही सरकार चलाई लेकिन व्यावहारिक कठिनाई तब हुई जब सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत देते हुए कुछ ऐसी शर्तें लगा दी जिससे उनके लिए अपने कार्यालय जाना या आधिकारिक फाइलों पर हस्ताक्षर करना संभव नहीं रह गया तब जाकर उन्होंने इस्तीफा दिया।

सरकार अगर नेक मंशा के साथ इस प्रकार का विधेयक लाई है तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। वहीं अगर विपक्षी को इस पर आशंका है तो इन आशंकाओं को दूर किया जाना चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र में एक पक्षीय शासन व्यवस्था नहीं चल सकती है। वहीं अगर विपक्ष को इस विधेयक में खामिया नजर आ रही है तो उन खामियो को उचित निराकरण हेतु सरकार के समक्ष रखना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि, संयुक्त संसदीय समिति इस विधेयक का विस्तृत अध्ययन कर विपक्ष द्वारा उठाई गई आपत्तियों का उचित निराकरण कर एक आदर्श विधेयक सदन में रखेगी।

जिससे वर्तमान में हो रही राजनीतिक मूल्यों में गिरावट को रोका जा सके और एक बार फिर राजनेताओं के प्रति सम्मान की भावना आम जनता में पैदा हो...।

फिजी के प्रधानमंत्री ने मोदी से कहा - कुछ लोग आपसे खुश नहीं हैं

नई दिल्ली।

हाल ही में फिजी के प्रधानमंत्री सितवेनी लिगामामादा राबुका भारत यात्रा पर आए और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें बात अमेरिकी सीमा शुल्क (टैरिफ) की भी हुई। उसी समय प्रधानमंत्री राबुका ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा कि कुछ लोग आपसे खुश नहीं हैं, शायद यही कारण है कि उन्होंने भारत पर 50 प्रतिशत का सीमा शुल्क लगा दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इससे आपको कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि दुनिया में आपका व्यक्तित्व इतना बड़ा है कि आप असहज परिस्थितियों को भी आसानी से सहज बना सकते हैं।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) व्याख्यान के बाद, एक श्रोता ने राबुका से विभिन्न देशों के नेताओं के साथ उनकी द्विपक्षीय बातचीत और शांति का महासागर दृष्टिकोण के बारे में पूछा। राबुका ने कहा, मेरी अमेरिका के राष्ट्रपति से कोई व्यक्तिगत बातचीत नहीं हुई है। मैंने रूस के राष्ट्रपति से द्विपक्षीय बैठक का अनुरोध किया है। मेरी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ बैठक हो चुकी है।

उन्होंने कहा, कल जब हमने बातचीत की, तो प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी भावनाओं और अवधारणा को दोहराया। अब, जो कुछ हो रहा है, उसका असर अमेरिका के साथ आपके रिश्तों पर पड़ रहा है। हाल की सीमा शुल्क घोषणाएं... मैंने उनसे (प्रधानमंत्री मोदी से) कहा कि कुछ लोग आपसे बहुत खुश नहीं हैं, लेकिन आपका व्यक्तित्व इतना बड़ा है कि आप उन असहज परिस्थितियों को भी झेल सकते हैं।

राबुका ने यहां सप्रू हाउस में भारतीय वैश्विक परिषद द्वारा आयोजित शांति का महासागर विषय पर व्याख्यान देने के बाद श्रोताओं के साथ बातचीत में मोदी के साथ अपनी वार्ता का ब्यौरा साझा किया।

फिजी के प्रधानमंत्री रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत-फिजी संबंधों को मजबूत करना है। भारत और फिजी ने रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की और शांतिपूर्ण एवं समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति जताई। मोदी और राबुका ने समग्र द्विपक्षीय सहयोग को विस्तार देने के लिए बातचीत की।

सत्ता और उद्योग पर बढ़ता दबावः मोदी-अंबानी रिश्तों के बीच उठे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।

सत्ता और उद्योग जगत की निकटता पर अब नए सवाल उठने लगे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने रिलायंस फाउंडेशन के वंतारा प्राणी उद्यान मामले की जाँच के लिए विशेष दल गठित किया है। यह दल 12 सितम्बर तक रिपोर्ट देगा और 15 सितम्बर को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई होगी।

जाँच केवल प्रशासनिक गड़बड़ियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें धन शोधन, आर्थिक अनियमितताओं और वन्यजीव संरक्षण कानून के उल्लंघन जैसे गंभीर बिंदुओं की भी पड़ताल होगी। यह महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि वंतारा प्राणी उद्यान का उद्घाटन मार्च 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। यह प्रकल्प अनंत अंबानी का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जाता है।

बीते वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी और मुकेश अंबानी की नज़दीकियाँ चर्चा में रही हैं। परन्तु इस प्रकरण ने उद्योग और सत्ता के रिश्तों पर दबाव बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदा, जिसे शोधन कर रिलायंस ने बड़ा मुनाफ़ा कमाया। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने इस व्यापार को लेकर आपत्ति जताई थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में हो रही यह जाँच केवल कानूनी औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह सत्ता और उद्योग जगत के बीच नए समीकरण की ओर संकेत करती है।

आसाराम की अंतरिम जमानत बढ़ाने से इंकार

जयपुर।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने आसाराम की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने की अपील को खारिज कर दिया है। न्यायालय के आदेश के अनुसार, उन्हें 30 अगस्त को सुबह 10 बजे तक जोधपुर केन्द्रीय कारागार में वापस आत्मसमर्पण करना होगा।

यह फैसला अहमदाबाद के सिविल चिकित्सालय की चिकित्सकीय रिपोर्ट पर आधारित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि, आसाराम की सेहत इतनी गंभीर नहीं है कि उन्हें जेल से बाहर और अधिक समय बिताने की आवश्यकता हो।

हालाँकि, कारागार में आत्मसमर्पण करने के बाद न्यायालय ने उन्हें कुछ विशेष सुविधाएँ देने की अनुमति दी है। इसमें व्हीलचेयर का उपयोग, देखभाल के लिए एक सहायक की सुविधा और आवश्यकता पड़ने पर जोधपुर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में स्वास्थ्य परीक्षण कराने की मंजूरी शामिल है।

पिछली सुनवाई 8 अगस्त को हुई थी, जहाँ चिकित्सकीय रिपोर्ट में बढ़े हुए ट्रोपोनिन स्तर के आधार पर उनकी जमानत 21 अगस्त तक बढ़ाई गई थी। दूसरी ओर, गुजरात में दर्ज एक अन्य मामले में गुजरात उच्च न्यायालय ने चिकित्सकीय आधार पर उन्हें 3 सितम्बर तक के लिए अंतरिम जमानत दे रखी है।

वैष्णो देवी मार्ग पर हादसाः भूस्खलन में 31 की मौत, कई घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में लगातार बारिश और बादल फटने से हालात बिगड़ गए हैं। कटरा स्थित माँ वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन होने से बड़ा हादसा हो गया। अब तक 31 लोगों की मौत और 23 यात्रियों के घायल होने की पुष्टि हुई है।

भूस्खलन के बाद सेना, अर्धसैनिक बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने राहत-बचाव अभियान शुरू कर दिया। हेलीकॉप्टरों की मदद से फंसे लोगों को निकाला जा रहा है। खराब मौसम और लगातार गिरते मलबे की वजह से अभियान में कठिनाई आ रही है।

जानकारी के अनुसार, अर्धकुंवारी के पास दोपहर करीब तीन बजे भूस्खलन हुआ। कटरा से माता वैष्णो देवी मंदिर की ओर जाने वाला मुख्य रास्ता पूरी तरह मलबे में दब गया है। यह मार्ग तीर्थयात्रियों के लिए सबसे अहम माना जाता है।

26 अगस्त की रात बादल फटने के बाद जम्मू के कई हिस्सों में नदियाँ और नाले उफान पर आ गए। तेज बहाव में चट्टानें, पेड़ और मिट्टी बहकर नीचे आ गए, जिससे कई घर जमींदोज हो गए और गाँवों का संपर्क टूट गया। बिजली और पानी की आपूर्ति भी बाधित है।

प्रशासन ने यात्रियों से फिलहाल यात्रा स्थगित करने की अपील की है। वैष्णो देवी बोर्ड ने कहा है कि, तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

माही की गूंज खबर पर मुहर

चुनाव आयोग जनता की अदालत में...

माही की गूंज, झाबुआ डेस्क।

जनहित के मुद्दे पर माही की गूंज की खबर पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया है और अब वह जनता की अदालत में जाकर एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष संघन पुनरीक्षण को लेकर देश के आम नागरिकों से पांच सवाल पूछेगा।

उल्लेखनीय है कि, माही की गूंज ने अपने 31 जुलाई के अंक में बिहार में किए जा रहे एसआईआर को लेकर ''मतदाता सूची पुनरीक्षण पर इतना बवाल... आयोग दबाव दे...'' शीर्षक के साथ समाचार प्रकाशित किया था। इसके साथ ही विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी द्वारा उठाई आशंकाओं के उचित निराकरण का मुद्दा उठाया गया था। चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे इस विशेष पूनरीक्षण कार्य में लगभग 50 लाख नाम काटे जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। जिसको लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी और बिहार के अन्य नेता वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं। इसके साथ ही कई याचिकाएं भी न्यायालय में लगाई जा चुकी है। जिस पर न्यायालय ने इस कार्यवाही पर रोक से तो इंकार किया था लेकिन इतनी बड़ी संख्या में नाम काटे जाने पर हैरानी व्यक्त करते हुए अपने द्वारा हस्तक्षेप किए जाने का विकल्प खुला रखते हुए तल्ख टिप्पणी की थी कि, अगर बड़ी संख्या में नाम काटे जाते हैं तो सुर्पीम कोर्ट इस मामले में

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर इतना बवाल...! आयोग जवाब दे...

माही की गूंज, झाबुआ।

बिहार से चौंकाने वाले आंकड़े

माही की गूंज में 31 जुलाई को प्रकाशित समाचार।

हस्तक्षेप कर सकता है। जिसके बाद चुनाव आयोग ने जनता की अदालत में जाने का मार्ग अपनाया है। क्योंकि लोकतंत्र में जनता की अदालत ही सर्वोच्च अदालत है, क्योंकि पब्लिक इज आल वेज राइट।

इस अभियान को लेकर चुनाव आयोग ने आम जनता से पांच सवाल पूछे हैं

मतदाता सूची की गहन जांच होना चाहिए कि नहीं...?

मृत लोगों के नाम हटाने चाहिए कि नहीं...?

जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में दो या अधिक जगह पर है उनके नाम एक ही सूची में होना चाहिए कि नहीं...?

जो लोग दूसरी जगह बसे हैं, उनके नाम हटाए जाए की नहीं...?

विदेशियों के नाम हटाने चाहिए कि नहीं...?

दरअसल मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर राहुल गांधी सहित विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं उससे निपटने के लिए चुनाव आयोग ने आम जनता के बीच जाकर इस तरह के सवाल पूछने का फैसला किया। आयोग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक जो भ्रम फैलाया जा रहा है उसका निराकरण किया जाना आवश्यक है। वैसे तो आयोग द्वारा इंटरनेट मीडिया पर ऐसे आरोपों का जवाब तत्परता से दिया जा रहा है। ऐसे आरोप पर मिसलीडिंग का ठप्पा लगाकर, लगातार उसकी सच्चाई बताई जा रही है। आयोग का मानना है कि, इंटरनेट मीडिया पर जो सच्चाई बताई जा रही है यह सच्चाई एक बड़े वर्ग तक नहीं पहुंच पाती है। ऐसे में आयोग को जनता के बीच जाना उचित मार्ग लगा। यही वजह है कि, आयोग ने मतदाता सुची में जिन पांच आधार पर लोगों के नाम काटे हैं उनको लेकर आम जनता से सवाल पूछे हैं। आयोग ने अपने बयान में कहा है कि, यदि इन सवालों के जवाब हां में है तो आयोग की इस मुहिम को पूरा करने में आम जनता सहयोग दे और मतदाता सुची शुद्धिकरण अभियान में अपना योगदान दे।

करोड़ों की लागत से बन रहे ब्रिज में खुला भ्रष्टाचार, सूचना बोर्ड तक गायब

ठेकेदार, इंजीनियर सब मौके से गायब, अकुशल मजदूरों के भरोसे चल रहा कार्य

माही की गूंज ,पेटलावद।

नगर के वार्ड क्रमांक सात में तेजाजी मंदिर से पुरातत्विय फूटा मंदिर को जोड़ने के लिए पंपावती नदी पर लगभग चार करोड़ से अधिक की लागत का ब्रिज निर्माण का कार्य चल रहा है। ब्रिज निर्माण का कार्य लगभग अंतिम दौर में है जहा ठेकेदार द्वारा ब्रिज से अप्रोज रोड को जोड़ने के लिए ब्रिज से लगी हुई दीवार बनाए जाने का कार्य चल रहा है। उक्त निर्माण कार्य में घटिया सामग्री से बनता देख जागरूक नागरिकों ने इसकी शिकायत हमारे गूंज प्रतिनिधि से की। जिसके बाद मौके पर जा कर देखा तो अप्रोज रोड की दीवार के दूसरे हिस्से का कार्य मजदूरों द्वारा किया जा रहा था। ब्रिज को अप्रोज रोड से जोड़ने वाली लगभग चार फीट चौड़ी और पच्चीस फीट ऊंची दीवार का निर्माण किए जा रहा था। मौके पर कोई जवाबदार अधिकारी , इंजीनियर या ठेकेदार नही था और अकुशल मजदूरों द्वारा दीवार बनाने के लिए सीमेंट कांक्रीट किया जा रहा था। ठेकेदार द्वारा इस पूरे कार्य को बेहत ही गंभीर लापरबाही के साथ करवाया जा रहा था। जिस दीवार का निर्माण करवाया जा रहा था उसमे किसी भी तरह से सरिए का कोई उपयोग नही किया गया न ही दीवार में डाले जा रहे माल में वाइब्रेटर चलाया जा रहा है जिससे सीमेंट का माल सेट होकर दीवार मजबूत हो सके जिससे उसकी मजबूती और गुणवत्ता का अंदाजा स्वतः लगाया जा सकता है । उक्त मार्ग से रोज गुजरने वाले विक्रम कटारा ने बताया की ठेकेदार द्वारा इस दीवार में गंभीर लापरवाही करते हुऐ एक भी इंच सरिए का उपयोग नहीं किया जा रहा हौ जो

बिना सरिए और वाइब्रेटर के दीवार निर्माण करते मजदूर।

पंपावति नदी पर चार करोड़ से अधिक लागत का ब्रिज।

की ब्रिज और दीवार की मजबूती के लिए जरूरी है।

विक्रम कटारा के अनुसार ये निर्माण कार्य लगभग एक वर्ष से अधिक समय से चल रहा है लेकिन हमने यहा किसी अधिकारी को जांच पड़ताल या देखरेख करते नहीं देखा न ही कभी इंजीनियर आया । विक्रम कटारा के अनुसार यदि ब्रिज निर्माण की जांच की जाए तो भारी लापरवाही सामनें आएगी।

देश भर में गिर रहे पुलों की घटना से नही ले रहे सबक

जहा देश भर के अलग-अलग हिस्सों से निर्माणाधीन ब्रिज गिरने की खबरे आ रही है जिसके बाद भी जिम्मेदार नए निर्माण पर ध्यान नहीं देकर ठेकेदार को मनमर्जी से कार्य करने के लिए खुला छोड़ दिया। कमीशन के खेल के चलते क्षेत्र बड़े ब्रिज निर्माण कार्यों में एजेसी ठेकेदार के भरोसे पूरा कार्य छोड़ देते है। उक्त निर्माण कार्य नगर परिषद अध्यक्ष ललिता योगेश गामड़ के वार्ड में ही होने से उन पर सवाल खड़े हो रहे है की घटिया निर्माण को लेकर अब तक कोई कार्यवाही या शिकायत उनकी ओर से क्यों नहीं की गई। नगर परिषद अध्यक्ष ललिता गामड़ से संपर्क करने पर उन्होंने ने बताया की घटिया निर्माण की जानकारी मिली है जिसकी शिकायत जल्द ही सेतु निर्माण विभाग को लिखित में कर जांच की मांग की जाएगी ।

न बोर्ड, न लागत और न ही एजेंसी के नाम की कोई जानकारी

चार करोड़ की अधिक राशि से चल रहे निर्माण कार्य की जानकारी के लिए कही कोई सूचना बोर्ड लगा हूवा निर्माण कार्य के आसपास नहीं है। निर्माण किस एजेंसी द्वारा करवाया जा रहा है , किस विभाग की जिम्मेदारी है और कार्य की लागत क्या है इसकी तक जानकारी ठेकेदार द्वारा छुपाई जा रही है । मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन और स्थानीय अधिकारियों को कर जांच की मांग को लेकर स्थानीय निवासी विक्रम कटारा द्वारा करने की बात कही गई है। कार्य के इंजीनियर दिलीप चौहान से इस संबध में जानकारी ली तो उन्होने बताया की ठेकेदार द्वारा जिस हिस्से का घटिया निर्माण किया जा रहा है उसे तोड़ने का ठेकेदार को कहा गया , दीवार में 08एमएम का सरिया लगाना था जो की नही लगाया गया है।

गुजरात मॉडल वोट चोरी का मॉडल- राहुल गांधी

मुजफ्फरपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा बुधवार को 11वें दिन मुजफ्फरपुर पहुंची। जारंग हाई स्कूल मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ÷2014 से पहले गुजरात में वोट चोरी का मॉडल शुरू हुआ। यही मॉडल 2014 में राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया गया। भाजपा ने महाराष्ट्र और गुजरात में चुनाव छीने। पहले हम चुप थे क्योंकि सबूत नहीं था, लेकिन अब हमारे पास ठोस प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में गठबंधन जीतता है, लेकिन कुछ ही महीनों बाद विधानसभा चुनाव में नतीजे उलट जाते हैं। चुनाव आयोग लाखों-करोड़ों मत जोड़ता है और वे सारे मत भाजपा के खाते में चले जाते हैं।

राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि मीडिया जनता तक सच्चाई नहीं पहुँचाता। भारत-पाकिस्तान की लड़ाई के समय अमेरिका के राष्ट्रपति ने मोदी से 24 घंटे में युद्ध रोकने को कहा था। मोदी ने पाँच मिनट में युद्ध रोक दिया, लेकिन मीडिया ने इसे नहीं दिखाया।

सभा में शामिल तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाना आतंकवाद से भी खतरनाक है। भाजपा ने चुनाव आयोग को अपनी कठपुतली बना लिया है। बिहार में 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। भाजपा निष्पक्ष मतदान से डरती है, क्योंकि ऐसे चुनाव में वह हार जाएगी।

स्टालिन ने लालू यादव को याद करते हुए कहा कि वे हमेशा भाजपा के खिलाफ डटे रहे और तेजस्वी यादव भी उसी राह पर चल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता के सहयोग से बिहार चुनाव में गठबंधन को बड़ी जीत मिलेगी।

ईमानदारों पर भी छापे पड़ेंगे तो कौन रहेगा ईमानदार-सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 20 घंटे तक छापेमारी की। कार्रवाई पूरी होने के बाद भारद्वाज ने समर्थकों से कहा कि यह एजेंसी हर किसी पर ÷चोर की मुहर÷ लगा रही है।

उन्होंने कहा, अगर चोरों के यहाँ भी छापे पड़ेंगे और ईमानदारों के यहाँ भी, तो कोई क्यों ईमानदार रहेगा। फिर तो हर व्यक्ति कहेगा कि जब हमें भी चोर ही कहा जाएगा तो लूट लें। इस तरह आप देश से ईमानदारी खत्म कर रहे हो।

पूर्व मंत्री ने दावा किया कि छापे के दौरान उन्होंने अधिकारियों से तीन बार कहा कि यदि गिरफ्तारी करनी है तो कर लें। मैं तैयार हूँ, दो साल जेल में रह लूंगा, लेकिन आपके दबाव में आकर काम नहीं करूंगा। मैं अरविंद केजरीवाल का सिपाही हूँ।

भारद्वाज ने कहा कि, छापे के समय उनकी बेटी का चेहरा बार-बार आँखों के सामने था और उन्हें चिंता थी कि स्कूल में बच्चे उसका मज़ाक उड़ाएँगे। लेकिन समर्थकों के नारों ने उनका हौसला बढ़ाया।

ईडी ने यह कार्रवाई आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के दौरान अस्पतालों के निर्माण में कथित गड़बड़ियों को लेकर की। यह जाँच भ्रष्टाचार निरोधक शाखा द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी से शुरू हुई थी।

मंगल मुहूर्त में घर-घर पंडालों में विराजे मंगल मूर्ति

रिद्धि सिद्धि के दाता और विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश, गणेश चतुर्थी के अवसर पर शुभ मुहूर्त में घर-घर और पंडालों में विराजित हुए। जिला मुख्यालय सहित गांवो में सुबह से ही लोग ढोल बाजो के साथ श्री गणेश जी की मूर्ति ले जाते दिखाई दिए।

आज से 10 दिवसीय गणेशोत्सव की शुरुआत हुई जो अनंत चतुर्थदशी तक चलेगा इन 10 दिनों में प्रतिदिन गणेश जी की आरती के साथ विभिन्न धार्मिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा घरों में भी गणेश जी की मूर्तियां स्थापना की गई ,ग्रामीण अंचलों में भी यह त्यौहार बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

माही की गूंज, खवासा।

खवासा स्थित श्री गणेश मंदिर पर पं. ओमप्रकाश दुबे के आचार्यत्व में महायज्ञ आयोजित किया गया,जिसके मुख्य यजमान राजू शर्मा थे। वैदिक मंत्रोचार के साथ आहुतियां दी गई। वहीं ठीक 12 बजे जन्मोत्सव की आरती प. अशोक व्यास द्वारा की गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसके साथ ही नीम चौक, डारिया चौक, राम मंदिर, पाटीदार मोहल्ला, बस स्टैंड, कुमार मोहल्ला आदि कई स्थानो पर श्री गणेश जी के पंडाल सजाए गए है ।

पुराना नाका सहित पूरे नगर में जगह जगह बिराजे गणपति

माही की गूंज , पेटलावद।

हिंदू धर्मावली के आने वाले बड़े धार्मिक आयोजनों की शुरुवात रखी के त्यौहार के साथ हो चुकी है और गणेश चतुर्थी (गणेश उत्सव) के साथ लगातार दीपावली तक धार्मिक कार्यक्रम और आयोजन इस पखवाड़े में होते है । धार्मिक आयोजनों को लेकर समितियों और धार्मिक मंडलों में उत्साह देखा जा रहा है वही इस बार प्रशासन की ओर से सख्त दिशा निर्देश चिंता का विषय बने हुवे है । कार्यक्रम की अनुमति से लेकर साउंड, डीजे सहित कई नियमो के साथ होने वाले सभी आयोजनों पर प्रशासन की नजर रहेगी । वही दूसरी ओर प्रशासन की और से जारी दिशा निर्देश से अलग उत्सव समीतियो द्वारा पूरे जोश और जुनून के साथ गणेश स्थापना कर पांडाल सजाए गए है। नगर सहित आसपास के शहरी एव ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश जी की स्थापना धूमधाम से की गई है । आने वाले दस दिनों तक गणेश उत्सव की धूम रहेगी । इस दौरान तेजा दशमी, ढोल ग्यारस , अनंत चतुर्थी जैसे बड़े आयोजन के साथ साथ सार्वजनिक पंडालों द्वारा भजन संध्या, गरबा उत्सव, तेजाजी का खेल, सुंदरकांड जैसे बड़े आयोजन रखे जाते है । नगर में गणेश की सबसे बड़ी और शानदार मूर्ति हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पुराना नाका पर विराजित की गई है । जिसे धूमधाम ढोल ताशो के साथ युवाओं की टोली ने नचाते गाते विराजित किया है ।साथ ही नगर के कई क्षेत्रों में बड़े बड़े गणेश पांडाल सजाए गए है। यहां मंदिरों पर भी गणेश जी प्रतिमा अलग से स्थापित की गई है।

शुभ मुहूर्त में विराजे विघ्नहर्ता श्री गणेश

माही की गूंज ,सारंगी।

गणेश उत्सव को लेकर पूरे नगर में उत्साह का माहौल था मंगल मूर्ति श्री गणेश शुभ मुहूर्त में घर-घर एवं पांडाल में विधि विधान से पूजन कर स्थापना की गई । गौरी पुत्र श्री गणेश जी की प्रतिमाओं का चल समारोह पूरे नगर में ढोल तासो के साथ चल समारोह निकाला गया। पूरे ग्राम में श्री गणेश जी का हारफूल एवं पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया । नगर में करीब 8 से 10 पंडाल में घर घर पर श्री गणेश जी की प्रतिमाओं की स्थापना की गई नगर में 10 दिनों तक गणपति बाबा का गुणगान होगा एवं समितियां द्वारा प्रतिदिन विभिन्न आयोजन किए जाएंगे।

घर-घर गूंजा गणपति बप्पा मोरिया

माही की गूंज ,बामनिया।

गणेश उत्सव को लेकर ग्राम में चारो ओर अच्छा जोश दिखाई दे रहा है। बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर घर-घर गणेश जी की स्थापना की गई और गणपति बप्पा मोरिया के उदघोष के साथ गणेश जी को विराजीत कर लड्डुओं का भोग लगाया। पेटलावद रोड, अमरगढ़ रोड, नारेला रोड, रतलाम रोड सहित मेला ग्राउंड ,चौकीदार फलिया, मामा जी मोहल्ला सहित कई स्थानों पर मंडलों के पोस्टर बेनर सहित विद्युत साज सज्जा से पांडलों को सजा कर विधि विधान के साथ गणेश जी प्रतिमा की स्थापना की गई। कई सार्वजनिक मंडलो द्वारा शोभा यात्रा निकाल कर स्थापना की गई।

सड़क दुर्घटनाएं देश के लिए एक आपदा की स्थिति

माही की गूंज, झाबुआ।

भारत में सड़क हादसों में होने वाली मौतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिस पर सरकार से प्रत्येक प्रयास असफलता की सुची को लंबी कर रहे हैं, उसी प्रकार परिवहन की परिभाषा और यातायात की जागरुकता शुन्य के आसपास ही बनी हुई है। परिवहन के प्रकारो और यातायात की जानकारी से अनभिज्ञ वे नागरिक अधिकतर सड़क हादसों में अपनी जान गवां रहे हैं जिनके ऊपर परिवार की प्रमुखता से जिम्मेदारी होती है, इस कारण हादसे में होने वाली मौत से परिवार पलभर में पूरी तरह से टुट जाता है, परिवार आर्थिक रुप से असक्षम होकर असमय अनेक समस्याओं से घिर जाता हैं, और जब उत्पादक व्यक्ति सड़क हादसे में काल का ग्रास बन जाता है तब देश को क्षति पहुंचने के साथ अर्थव्यवस्था को भी हानि उठानी पड़ती है।

सरकारों ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बहुत से नियम, कानून भी बनाए किंतु जिस स्तर पर सफलता प्राप्त होनी थी वो नहीं मिल पाई और हादसों में वृद्धी होती रही, लोग दुर्घटना का शिकार होकर अपनी जान गवांते रहे। सरकार द्वारा समझाईश के सारे उपाय फीके रहते हैं, इसके लिए तो सरकार को ऐसे ठोस कदम उठाने होगे जिससे सड़क हादसों की संख्या में कमी आए, और प्रतिवर्षानुसार दुर्घटनाओं की संख्या में बढ़ोत्तरी न हो।

भारत में सड़क दुर्घटनाओं की ओर देखे तो वह आंकड़ें जो सामने आते हैं वे एक आपदा की स्थिति की तरफ संकेत देते हैं। वर्ष 2022 में सड़क दुर्घटना में 1.68 लाख लोग मौत की आगौश में चले गये। अनऔपचारिक आंकड़ो के अनुरुप देश में एक वर्ष के अंदर लगभग 3.3 लाख लोग सड़क हादसो में मारे जाते हैं। यह संख्या विश्व में कुछ देशों की जनसंख्या से भी ज्यादा है। यह आंकड़े कमजोर बुनियादी ढांचे और लोगों के प्रति सुरक्षा की लापरवाही को उजागर करता हैं। एक वर्ष में इतने लोगों का मरना देश के लिए एक आपदा से कम नहीं है और देखा जाए तो सड़क दुर्घटनाएं मानवजनित आपदा है, इस समस्या का सरकार के पास कोई समाधान नहीं है, और शहरों में तो इस समस्या की अनदेखी भी की जा रही है।

इसके साथ ही शहरों में पुलिस प्रशासन की लापरवाही और आरटीओ विभाग की अनदेखी का परिणाम यह होता है कि शहरो में दुर्घटनाओं के आंकड़ों में वृद्धि होती है। मध्यप्रदेश के एक छोटे से शहर झाबुआ में जहां बायपास बना होता है वहां भी भारी वाहन शहर के अंदर प्रवेश कर जाता है और सुबह-सुबह ही मोड़ पर दुर्घटनाग्रस्त होकर तीन ग्रामीणों को काल का ग्रास बना देता है। इस पर जिला कलेक्टर के माध्यम से कोई कार्यवाही नहीं होती न ही जवाबदारो पर जांच बैठाई जाती है।

देश में ऐसे अनेको शहर है, स्टेट हाईवे है, नेशनल हाइवे है जहां सुरक्षा के प्रति प्रशासन की आंखों में कमजोरी है।

सड़को पर चलने में अनुशासनता का एक मुख्य कारण जिलो के आरटीओ विभाग में बनने वाले लाइसेंस प्रक्रिया का भी है। ड्रायविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया प्रश्नों के घेरे में है। भ्रष्टाचार से भरे इन विभागों से साठंगाठ करने वाले एजेंट पैसा लेनदेन कर आसानी से लाइसेंस जारी करवा देते हैं। ड्राइविंग टेस्ट के नाम पर सिर्फ और सिर्फ खानापूर्ति होती है। जबकी सड़क हादसों को रोकने के लिए यह विभाग पहली सीढ़ी बन सकता है किंतु यही उसे बढ़ावा देने का एक साधन बन गया है।

देशभर में देखा जाये तो कुछ ही वर्षों में सड़क दुर्घटना में 15 लाख से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई है। सड़को की खराब स्थिति, ओवरलोड वाहनों की आवाजावी, सवारी बसों का अनिश्चित समय और अनिश्चित स्थान पर असमय रुक जाना, वाहनों की अनियंत्रित गति, छोटे सवारी वाहनों का नियमों को तोड़कर लहराते हुए वाहन चलाना, बाइकर्स का बेहिसाब गति से चलना, और मदिरापान कर या करते हुए वाहन चलाना, साथ ही मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाना... इन मुख्य कारणों से अधिकांश दुर्घटनाएं होती है और ऐसी होती है कि कई बार तो व्यक्ति स्पॉट पर ही मृत हो जाता है। फिर सड़क हादसों से जुड़े संकट की जड़े घटिया इंजनियरिंग, निम्न गुणवत्ता की परियोजनाएं, साइनबोर्ड न होना, भ्रामक साइनबोर्ड, और इंजीनियर के साथ में सलाहकारो की जवाबदेही का अभाव भी है।

कुछ हादसें ऐसे भी होते है जहां दोपहिया वाहन, और पैदल चलने वालो की दुर्घटना में मौत हो जाती है वहां सड़क यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन के समय ध्यान नहीं दिया जाता इसीलिए समस्या बनी रहती है। उसी प्रकार निगरानी के बुनियादी ढांचे के अभाव में वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते है, ऐसे 75 प्रतिशत बाइकर्स जो दुर्घटना के शिकार होते है वे हेलमेट नहीं लगाने के कारण होते है। फिर सबसे बड़ी समस्या यातायात नियमों के उल्लंघन की है। इस पर आंकड़ो की माने तो 76 से 80 प्रतिशत सड़क हादसे ओवर स्पीड, रॉंग साइड चलाना, अनियंत्रित गति से ओवरटेक करना जैसे बहुत से यातायात के नियमों के उल्लंघन से होते है। इसके बाद आपातकालिन चिकित्सा सुविधा का भी देश में अभाव है। वहीं ड्राइविंग स्कूल की कमी भी उन समाधानों में से है जो सफलता के आंगन में सरकार को कदम रखने नहीं देते।

रिकेश बैरागी

हालांकि, सरकार और एनएचएआइ ने ब्लैक स्पॉट चिन्हीत करने और दुर्घटना आशंकित क्षेत्रों को नए सिरे से डिजाइन करने जैसे कदन उठाए है परंतु इतने भर काम से देश में दुर्घटनाओं में कमी नहीं हो सकती। लाइसेंस प्रक्रिया को पूर्णरुप से भ्रष्टाचार मुक्त कर दिया जाएगा तो उचित रुप से ड्राइविंग टेस्ट किया जाएगा और उससे बहुत सी जागरुकता वाहन चालको में आएगी।

बहरहाल, यातायात की जागरुकता कार्यक्रम और समझाईश के साथ परिवहन की परिभाषा समझाने के लिए साथ ही नियमों के अनुपालन के लिए भारी वाहनों के ड्राइवरों की कार्यशालाए आयोजित होनी चाहिए। लाइसेंस प्रक्रिया को नियमानुसार करते हुए ड्राइविंग टेस्ट लिए जाना चाहिए।, फिर लाइसेंस को आधार बायोमेट्रीक से जोड़ा जाना चाहिए। स्कूलो में एक दिन की कक्षा के बजाय सरकार यातायात नियमों को पाठ्यक्रम में सम्मिलित करे जिससे आने वाली पीढ़ी यातायात के प्रति जागरुक होकर सशक्त हो और देश में होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आए।

कटाक्ष : शराब ठेकेदार को डायल 100 जैसे वाहन उपलब्ध करवाएं ताकि क्षेत्र भर में परोसी जा सके अवैध शराब

आबकारी विभाग की ईमानदारी की खाई जा रही कसमें, हर राष्ट्रीय त्यौहार पर हो सम्मान

माही की गूंज, झाबुआ।

क्षेत्र में अवेध शराब का बिक्री इस कदर धडल्ले से जारी है की मानो शराब ठेकेदार ने शराब ठेके की फुटकर दुकान का लाइसेंस नही बल्कि होलसेल में शराब सप्लाई का ठेका लिया हो। एक अप्रैल मूर्ख दिवस से शुरू होने वाले शराब के ठेकों के नाम पर 365 दिनों तक आम जनता को मूर्ख बनाया जाता है और ऐसे अवेध शराब परोसी जाती है जैसे सरकार द्वारा सोसाइटीयो से अनाज बाटा जा रहा है। गांव-गांव, फलिये-फलीये अवैध शराब के काउंटर खोल कर बेरोजगार युवाओं को डायरी और कमीशन के माध्यम से शराब बेचने के लिए उपलब्ध करवा कर रोजगार देने का कार्य जिले में शराब ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है। जिसमे आबाकारी विभाग का बड़ा योगदान है साथ पुलिस भी पिछे नही है जो क्षेत्र के शराब ठेकेदार को पूरा सहयोग कर शराब के माध्यम से रोजगार देने की ठेकेदार की योजना को बिना किसी परेशानी के पूरा करवाते है।

शराब ठेकेदार को डायल 100 जैसे वाहन उपलब्ध करवाए जाने चाहिए!

क्षेत्र के शराब ठेकेदार को प्रशासन का सहयोग मिलता है लेकिन क्षेत्र में शराब सप्लाई कर रहे ठेकेदार के चार पहिया वाहन अवेध शराब के नाम पर कई बार जनप्रतिनिधियों या जागरूक नागरिकों द्वारा रोक लिए जाते है और भारी मशक्कत के बाद पुलिस या आबकारी को मजबूरी में अवेध शराब के नाम पर पकड़ना पड़ता है। जिस तरह से शराब ठेकेदार को अवेध शराब सप्लाई करने के लिए सरक्षण मिल रहा है उसे देखते हुए सरकार को, शराब ठेकेदार को ग्रामीण क्षेत्रों में शराब सप्लाई के लिए डायल 100 जैसी किसी नए नंबर का चार पहिया वाहन उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। जिससे की शराब ठेकेदार को ग्रामीण इलाको में शराब सप्लाई करने में कोई परेशानी न हो और ग्रामीण

– सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में ठेकेदार द्वारा अवेध शराब सप्लाई नही रोक सकती तो ठेकेदार को इस प्रकार के वाहन उपलब्ध करवाए जाए।

क्षेत्रों में शराब की इस गाड़ी को देख कर ही पता लग जाए की ठेकेदार द्वारा अवेध शराब, वैध रुप से सप्लाई की जा रही है।

आबाकारी खानापूर्ति के लिए

आबाकारी विभाग कहने को तो अवैध शराब सहित शराब ठेकेदार द्वारा वैध की आड़ में बेची जा रही अवैध शराब पर कार्रवाई करने के लिए है। लेकिन जिस तरह से आबकारी विभाग कार्य करता है मानो विभाग के कर्मचारियों को सरकार नही बल्कि क्षेत्र का शराब ठेकेदार वेतन दे रहा है। शराब ठेकेदार के प्रति आबकारी विभाग की ईमानदारी देख कर लोग आबकारी विभाग की कसमें तक खाने लगे है। अवैध शराब क्षेत्र से कहा और किसकी पकड़नी, किसका केश बनाना है, कितनी शराब का कैश बनाना ये सब क्षेत्र का शराब ठेकेदार तय करता है और विभाग बकायदा ठेकेदार के नियमो का पूरी ईमानदारी से पालन करती है। ठेकेदार के कई ऐसे बहारी कर्मचारी जिनकी जानकारी और ट्रेक रिकॉड तक पुलिस और आबकारी विभाग के पास नहीं है, न ही ठेके की शर्तो के अनुसार इनकी जानकारी शासन के पास है वो खुले आम आबकारी कार्यालय के चक्कर लगाते देखे जा सकते है। पेटलावद में तो आबकारी कार्यालय के ठीक पीछे शराब ठेकेदार की दुकान है जहा से खुले आम शराब के भरे चार पहिया और दुपहिया वाहन भर कर निकलते है पर मजाल है ये वाहन आबकारी विभाग के अधिकारियों को दिख जाए। इसी तरह पुरे जिले की 33 शराब दुकानो से अवैध शराब भर जिले के पुलिस थानो, चौकीयो व जिला कार्यालयो के सामने से होकर प्रतिदिन वाहन गुजरते है। साथ ही बडे पेमाने पर गुजरात में शराब ढ़ोई जाती है पर यह सब किसी को भी शराब ठेकेदार की और दि जाने वाली मासिक तंख्वा के चलते दिखाई नही देते है। शराब की दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे है जिनमे भी ठेकेदार के शराब सप्लाई के फुटेज जमा है। जिन पर कभी आबाकारी विभाग नजर तक नही डालता। ईमानदार आबाकारी विभाग के कार्यों को देखते हुए हर राष्ट्रीय त्यौहार पर इनका सम्मान होना चाहिए।

हनुमान कथा व जन्म उत्सव सम्पन्न

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के बालाजी धाम गढ़ावदिया के परम उपासक पं. श्रीधर बैरागी द्वारा रतलाम जिले के गढ़ावदिया गांव में दिव्य दरबार और श्री हनुमान कथा का तीन दिवसीय आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कथा के दौरान लगाए गए दिव्य हनुमंत दरबार में पं. श्रीधर बैरागी भक्तों के नाम के पर्चे खोलते हैं, जिसमें उनके परिवार के अन्य सदस्यों के नाम भी मंच से उद्घोषित किए जाते हैं। यह दृश्य देख श्रद्धालु आश्चर्यचकित हो उठते हैं और पंडाल जयकारों से गूंज उठता है। गढ़ावदिया में चल रही हनुमान कथा के तीसरे दिन भक्तों का भारी उत्साह देखने को मिला। होली रे रशिया, ख़मा रे खाम बालाजी ने खमा पर बालाजी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा शानदार प्रस्तुति दी ,जिसपे पूरा पंडाल नाचने पर विभोर हो गया।

कथा समापन के पश्चात पंचकुंडी हवन कराया गया जिसमें उज्जैन के पंडित ऋषिराज नागर के द्वारा मंत्र उच्चारण कर किया गया। जिसमे ग्राम सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा स्थल पर पहुंचे और धर्म लाभ लिया।

समस्याओं का समाधान व धर्म जागरण का संदेश

तीन दिवसीय इस आयोजन में प्रतिदिन भक्तों की अर्जियां स्वीकार की गई, जिनका उचित समाधान भी बताया गया। श्रीधर बैरागी महाराज का उद्देश्य धर्म जागरण करना और जनमानस को धार्मिक आस्था से जोड़ना है। उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों से समाज में धर्मांतरण रोकने की दिशा में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

एजुकेशनल एप्प की शुरुआत महापौर भार्गव ने की

माही की गूंज ,पेटलावद।

आईआईटी गुवाहाटी क्षेत्र से संबंधित नैत्री के प्रमुख सीईओ गीतेश राहुले द्वारा 22 अगस्त को वल्लभनगर के राघवम रेस्टोरेंट में, नैत्री इनोवेशन एआर एनिमेटेड एजुकेशनल एप की लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंदौर के महापौर मुख्य अतिथि पुष्पमित्र भार्गव के द्वारा किया गया। विशेष अतिथि में शिक्षा और साहित्य क्षेत्र से जुड़े हुए वरिष्ठ लोगों के साथ, झाबुआ जिले के पेटलावद से विनीता चतुर्वेदी को भी मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस एजुकेशन एप में विनीता संस्कृत शिक्षिका के रूप में अपना संस्कृत सब्जेक्ट कंटेंट और अपनी आवाज दे रही है, जिसे एनिमेशन के द्वारा प्रयोग किया जाएगा। इस अवसर पर कंपनी के अन्य सीईओ सदस्य, रोहन राहुले, अमित मेहता, संस्कृति राजपूत, नैत्री इनोवेशन की पूरी टीम के साथ अन्य अतिथियों में गणमान्य सदस्य मौजूद थे। यह एजुकेशन एप 6 से 10 वी सीबीएसई और एमपी बोर्ड के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष रूप से बनाया गया है।

अजजा प्रदेशाध्यक्ष भाभर ने की साइकिल वितरण

माही की गूंज भामल।

प्रदेश सरकार द्वारा बच्चों को सुदुर क्षेत्र में आने-जाने के लिए साइकिल वितरण की जा रही है। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में जनप्रतिनिधि बच्चों को साइकिल वितरण कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही कार्यक्रम साइकिल वितरण का भांमल संकुल की हाई स्कूल में मुख्य अतिथि के रूप में अ,ज,जा प्रदेश अध्यक्ष कलसिंग भाबर की उपस्थिति में बच्चों को साइकिल वितरण का कार्यक्रम किया गया। जिसमें साइकिल वितरण के दौरान अतिथि ने बच्चों को अच्छे से पढ़ाई करने के साथ ही अधिक से अधिक समय अपना स्कूल में व्यतीत करने के बाद पढ़ाई पर ध्यान देने की समजाइश विद्यार्थियों को दी गई। साथ ही मोबाइल का कम से कम उपयोग करने का व अपने भविष्य को संवारने की बात मुख्य अतिथि द्वारा बच्चो को बताई गई।

कार्यक्रम में खवासा भाजपा मंडल की अध्यक्ष श्रीमती किरण रितेश देवदा, सरपंच श्रीमती ममता चरपोटा, बंटी डामोर मंडल अध्यक्ष थांदला, रामपाल चौहान जिला पंचायत सदस्य, रामसिंह पालरा, कमलेश गहलोत, कमल सिंह चावड़ा, देवी सिंह देवदा, केशव सोलंकी, भारत खेर, भीमसिंह, मुकेश मालीवाल एवं छात्र-छात्राओं के पालको की गरिमामय उपस्थिति में साइकिल वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

बिहार चुनाव में फिर पक्की दारू-पक्का वोट की गूंज

बिहार विधान सभा चुनाव की आहट जैसे-जैसे तेज होती जा रही है, वैसे-वैसे यूपी से बिहार के लिये अवैध शराब की तस्करी भी बढ़ने लगी है। इसी के साथ पक्की दारू पक्का वोट की पुरानी कहावत एक बार फिर बिहार में सुनाई देने लगी है। दरअसल, राज्य में लागू शराबबंदी के बावजूद शराब के प्रति लोगों की ललक और नेताओं की सियासी जरूरत दोनों ही शराब तस्करी को बढ़ावा देते हैं। खासकर चुनाव के वक्त, जब वोटों को साधने के लिए दारू एक बड़ा हथियार बन जाती है, तब तस्करी नेटवर्क और ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। इसी लिये उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल जैसी राज्यों से शराब की खेप बिहार पहुंचाई जाती है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान यूपी का है। इस बार तो चुनावी मौसम की तैयारी में तस्करी नेटवर्क कुछ और ज्यादा रणनीतिक हो गया है। चंदौली, वाराणसी, बलिया, गाजीपुर, देवरिया, सोनभद्र, कुशीनगर समेत यूपी के सीमावर्ती जिलों से हर रोज शराब की खेप चोरी-छिपे बिहार पहुंच रही है। पुलिस की सख्ती और चेकिंग के बावजूद तस्कर नए-नए तरीके अपना रहे हैं। हाल ही में चंदौली पुलिस ने ट्रक की तलाशी में व्हाइट सीमेंट की बोरियों के पीछे छुपाकर रखी 720 पेटियां विदेशी शराब जब्त की, जिसकी कीमत 1.12 करोड़ रुपए थी। यह खेप पंजाब से तस्करी कर बिहार भेजी जा रही थी और चुनावी तैयारियों के लिहाज से इसे बांटा जाने वाला था।

तस्करों के नेटवर्क का विस्तार यूपी के ग्रामीण इलाकों से लेकर बड़े शहरों तक फैला हुआ है। वे अक्सर रेलवे लाइन, हाईवे और नदी तंत्र का इस्तेमाल करते हैं, जिससे ट्रांसपोर्ट आसान हो जाता है। हाल के महीनों में कोपागंज पुलिस और एसओजी टीम ने मऊ में 9 लाख की शराब जब्त की। वहीं, प्रतापगढ़-मथुरा के रास्ते हरियाणा से भी अवैध शराब बिहार भेजी जा रही थी, जिसमें लाखों की खेप पकड़ी गई। यूपी और बिहार की सीमाएँ लगभग 1,060 किलोमीटर लंबी हैं, जिसकी निगरानी बड़ी चुनौती है। यही वजह है मद्य निषेध इकाई को चुनावी सीजन में सक्रियता बढ़ानी पड़ गई है। जिसके चलते शराब की तस्करी के मामले तो पकड़े जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बड़ी मात्रा में शराब बिहार पहुंच रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से मई 2025 तक बिहार में शराब तस्करी के 64 मामले सामने आए, जिनमें से 25 प्रतिशत खेप यूपी निर्मित विदेशी शराब की थी। प्रशासन ने यूपी-पंजाब समेत 8 राज्यों से सहयोग मांगा है और सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट बढ़ाने का फैसला किया है। आगामी चुनाव में बिहार के 23 सीमावर्ती जिलों में 390 से ज्यादा चेकपोस्ट बनाने की योजना है और ड्रोन, सीसीटीवी, हैंडहेल्ड स्कैनर से निगरानी कड़ी की जा रही है।

शराब की तस्करी के पीछे सिर्फ मुनाफा ही नहीं, बल्कि बड़े सियासी समीकरण भी काम करते हैं। चुनाव के समय नेताओं और बड़ी पार्टियों के लिए अवैध दारू का नेटवर्क वोटर जुटाने का सबसे आसान जरिया बन जाता है। हर बार की तरह पक्की दारू, पक्का वोट की ताकत इस बार भी बिहार में देखी जा सकती है, जिसमें तस्कर, कारोबारी और नेताओं की सांठगांठ से शराब की बोतलें मतदाताओं तक पहुंचती हैं। इसके बदले वोट का वादा लिया जाता है जो बिहार की सियासत का ध्यानाकर्षण बिंदु बना हुआ है। प्रशासन ने क्यूआर कोड, बैच नंबर जैसी तकनीकों से अवैध शराब की पहचान-पता करना शुरू कर दिया है ताकि तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश हो सके।

अजय कुमार, वरिष्ठ पत्रकार
लखनऊ (उ.प्र.)

कुल मिलाकर, बिहार के चुनाव में फिर दारू के साथ वोट का समीकरण चर्चा में है। पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद तस्करी के गिरोह तेजी से पैठ बना रहे हैं, जिससे राज्य सरकार को अपनी मद्य निषेध नीति सख्ती से लागू करनी होगी। चुनाव का मौसम जैसे-जैसे करीब आ रहा है, वैसे-वैसे शराब तस्करी का दौर और तेज होता जा रहा है और इस बार भी पक्की दारू पक्का वोट का ट्रेंड बिहार सियासत का बड़ा सच बन गया है।

बृजवासी को चार्टर्ड अकाउंटेट ऑफ इंडिया की मिली सदस्यता

माही की गूंज, पेटलावद।

रवि बृजवासी जो की पेटलावद के शिक्षक भरत चौधरी (समाजसेवी) के भांजे हैं और उनकी शिक्षा भी पेटलावद में हुई। रवि बृजवासी को इंदौर में सम्मानित किया गया

25 अगस्त 2025 को इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा पूरे देश में चार्टर्ड एकाउंटेंसी (सीए) परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह उन नवीन सदस्यों के लिए था, जो 1 जनवरी 2025 से 15 जुलाई 2025 के बीच नामांकित हुए थे, जिन्हें सदस्यता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। साथ ही, नवंबर 2024 और मई 2025 की सीए फाइनल परीक्षाओं के टॉप रैंक धारकों को रैंक प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। देश भर में कुल 13,737 नवीन सदस्यों को ये प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह समारोह 15 प्रमुख शहरों में एक साथ आयोजित हुआ, जिसमें इंदौर भी शामिल था। इंदौर में यह भव्य समारोह शहर के प्रसिद्ध पांच सितारा होटल, शेरेटन ग्रैंड पैलेस में आयोजित हुआ। समारोह में आईसीएआई के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही, जिनमें केंद्रीय परिषद सदस्य सीए पंकज शाह, इंदौर ब्रांच के स्थानीय अधिकारियों, जैसे चेयरमैन सीए राजत धनुका, वाइस चेयरमैन सीए संमकित भंडारी, रीजनल काउंसिल मेंबर सीए आनंद जैन, और चेयरपर्सन सीए मेघा जैन ने आयोजन को सफल बनाया। इंदौर ब्रांच ने इस समारोह को यादगार बनाने के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं कीं, जिसमें नवीन सदस्यों को उनके कठिन परिश्रम के लिए सम्मानित किया गया।

संपादकीय

प्रकृति का रौद्र रूप

जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो कितना घातक व विनाशकारी हो जाता है, इस बार की मूसलाधार मानसूनी बारिश ने हमें बता दिया है। लोग अब पानी के आवेग को देखकर डरने लगे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व पूर्वोत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने हर किसी को भयभीत किया है। हालात ने बताया है कि हमेशा शांत रहने वाले पहाड़ भी कितना रौद्र रूप दिखा सकते हैं। इस अतिवृष्टि से सड़कों, पुलों व स्थायी संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसलें तबाह हो गई हैं। जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से कुछ श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। पुल बहने व सड़कें तबाह होने से जन-जीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हुई है। क्या कुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वार्मिंग संकट की देन है? दरअसल, हमारे नीति-नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी-अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। राज्य ने इस स्थिति से निपटने के लिये एक 'व्यापक भावी कार्य योजना' तैयार करने के लिये कम से कम छह माह का वक्त मांगा है। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं को कम करने की तंत्र में कोई तात्कालिकता नजर नहीं आती। फिर इन आपदाओं का खमियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोई रोल नहीं होता।

निःसंदेह, प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति वनों की कटाई, अनियमित विकास तथा जलवायु परिवर्तन के कारकों की वजह से तेज हुई है। वास्तव में मौजूदा स्थितियों में जो कुछ करने की जरूरत है, वो किसी भी तरह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इस संकट के मुकाबले के लिये वैज्ञानिक व प्रशासनिक व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले विशेषज्ञों को शामिल करने की जरूरत है। उनकी राय और सलाह नीति-निर्माताओं का मार्गदर्शन करेगी। सरकारों को राजनीतिक और व्यावसायिक हितों को दरकिनार करते हुए, पर्यावरण संवर्धन के लिये काम करना चाहिए। हिमाचल सरकार की पहल सराहनीय है, जिसमें संकट को बढ़ाने वाली खामियों की पहचान करने हेतु अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और सामुदायिक प्रतिनिधियों का एक कोर ग्रुप बनाने में उत्सुकता दिखायी गई है। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जोखिमों को कम करने के उपायों पर विचार-विमर्श करने हेतु विशेषज्ञों से परामर्श का आह्वान किया है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कोर ग्रुप या समितियों की सिफारिशों को गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। अन्यथा पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। हमें अतीत के अनुभवों से सबक लेने की भी जरूरत है। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदाओं के बाद बचाव, राहत व पुनर्वास में राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के समन्वय की प्रशंसा की थी। हालिया आपदाओं के मद्देनजर ऐसा तालमेल अपरिहार्य है। जिससे आपदाओं से लोगों की आजीविका और बुनियादी ढांचे का नुकसान कम से कम किया जा सके। प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी प्रणाली में सुधार करना समय की जरूरत है। निस्संदेह, खतरे के जरा से भी संकेत मिलने पर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में तनिक भी देरी नहीं की जानी चाहिए। साथ ही प्रभावित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को आपस में मिलकर प्राकृतिक आपदाओं से जुड़ी जानकारी परस्पर साझा करनी चाहिए। वहीं पर्यावरण अनुकूल उपायों को भी बढ़ावा देना चाहिए। निस्संदेह, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था प्राकृतिक आपदाओं के प्रकोप से होने वाली जन-धन की हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकती है।

भ्रष्ट राजनीतिक के खिलाफ जन आंदोलन जरूरी

लब्धप्रतिष्ठ रूसी साहित्यकार सोलजेनित्सिन ने कहीं लिखा था, 'हम जानते हैं कि वे झूठ बोल रहे हैं, वे जानते हैं कि हम जानते हैं कि वे झूठ बोल रहे हैं... लेकिन वे फिर भी झूठ बोलते रहते हैं'- इस वाक्य में 'वे' की जगह हमारे राजनेता लिख दिया जाये और 'हम' की जगह भारत की जनता तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आये दिन हम अपने नेताओं के झूठ सुनते रहते हैं और ऐसा हर झूठ बोलकर हमारे नेता यह समझते हैं कि उन्होंने हमें यानी देश के मतदाताओं को मूर्ख बना लिया है। इसका ताज़ा उदाहरण है संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन सदन के पटल पर रखा गया संविधान संशोधन विधेयक। तीखी बहस और हंगामे के बीच यह विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जा चुका है। समिति कब और क्या सिफारिश देगी यह तो भविष्य के गर्भ में है, पर सिफारिश कुछ भी हो, संसद में वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह तय है कि बिना दो तिहाई बहुमत के ऐसा कोई संशोधन लागू नहीं हो सकता। तो फिर यह विधेयक सदन में क्यों रखा गया है? इसका एक स्पष्ट उत्तर तो यही है कि देश में निकट भविष्य में होने वाले चुनावों को देखते हुए सत्तारूढ़ पक्ष महत्वपूर्ण, और उसके लिए परेशान करने वाले, मुद्दों से मतदाता का ध्यान बंटा सकता है।

इसमें कोई संदेह नहीं की प्रस्तावित संशोधन आकर्षक भी है और महत्वपूर्ण भी। इसके अनुसार केंद्र में प्रधानमंत्री और मंत्रियों समेत राज्यों के मुख्यमंत्रियों-मंत्रियों को यदि किसी ऐसे आरोप में तीस दिन से अधिक समय तक जेल में रहना पड़ता है तो उन्हें पद से त्यागपत्र देना होगा, अन्यथा उन्हें पद से हटा दिया जायेगा। आकर्षक लगता है यह प्रस्ताव। एक हद तक ज़रूरी भी। कौन नहीं स्वीकारेगा कि भ्रष्टाचारियों को मंत्री-पद पर बने रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए। और यह भी एक हकीकत है कि हमारे देश में ऐसे राजनेताओं की कोई कमी नहीं है जिन पर भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक मामलों के आरोप हैं। ऐसे में, संविधान में संशोधन का जो विधेयक सरकार ने पटल पर रखा है उसका स्वागत होना चाहिए।

लेकिन सवाल उठता है कि आरोप लगना मात्र ही किसी को कथित अपराध की सज़ा देने का आधार कैसे बन सकता है? कोई भी आरोपी तब तक सज़ा का पात्र नहीं होता जब तक अपराध प्रमाणित नहीं हो जाता, आरोप भले ही कितना ही गंभीर क्यों न हो, जब तक प्रमाणित नहीं हो जाता, अपराध नहीं कहलाता। तो फिर सज़ा कैसे दी जा सकती है?

लेकिन यहीं यह सवाल भी उठता है यदि आरोपों के आधार पर सज़ा नहीं दी जा सकती तो क्या मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को यह अवसर और अधिकार मिलना चाहिए कि वे जेल में बैठकर भी सरकार चलाते रहें? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का उदाहरण हमारे सामने है, महीनों तक वे जेल में रहेदृ और जेल से ही सरकार चलाने की बातें भी कहते रहे!

तो फिर क्या किया जाये? जितना आसान लगता है यह प्रश्न, उत्तर उतना ही कठिन लगता है। प्रस्ताव में स्पष्ट कहा गया है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई भी मंत्री किसी ऐसे आपराधिक मामले में गिरफ्तार होकर लगातार तीस दिन तक हिरासत में रहता है, जिसके लिए पांच वर्ष या उससे अधिक की सज़ा का प्रावधान है, तो वह पद पर नहीं बना रह सकता। लेकिन तब क्या होगा यदि न्यायालय उसे निरपराध घोषित कर देता है? विधेयक के समर्थक उत्तर में पुनर्नियुक्ति का प्रावधान होने का तर्क रखते हैं! वे कहते हैं विधेयक शासन को संदेह से मुक्त रखने की प्रारंभिक प्राथमिकता ही तय करता है। लेकिन इस सवाल का क्या जवाब है कि इकत्तीसवें दिन स्वतः ही सज़ा मिल जाने को कानून का शासन कैसे कहा जा सकता है? यह सब देखते हुए ही इस तरह का संशय किया जा रहा है कि यह कार्रवाई गंभीर मुद्दों से ध्यान बांटने और चुनावी हितों को ध्यान में रख कर की गयी है। बहरहाल, मामला गंभीर है। भ्रष्ट राजनीति और भ्रष्ट राजनेताओं से मुक्ति का कोई उपाय तो खोजना ही होगा। हमारे यहां राजनीति का जो अपराधीकरण हुआ है उसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। एक ज़माने में राजनेता आपराधिक वर्गों का सहयोग लिया करते थे, अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए। फिर सहयोग देने वालों को लगा, वे किसी को चुनाव जीतने में मदद कर सकते हैं तो स्वयं राजनीति में क्यों नहीं उतर सकते?

इस सोच का नतीजा सामने है। चुनाव अधिकार संस्था (ए.डी.आर) की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश के तीस मुख्यमंत्रियों में से 40 प्रतिशत ने पिछले चुनाव नामांकन- पत्र में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर सर्वाधिक 89 आपराधिक मामले दर्ज हैं। आंध्र-प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू 19 मामलों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैय्या पर 13 मामले चल रहे हैं। इसी तरह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर 5, महाराष्ट्र के फड़नवीस पर चार, हिमाचल के मुख्यमंत्री पर चार और केरल तथा पंजाब के मुख्यमंत्री पर भी क्रमशः दो और एक मामले दर्ज हैं। मामले दर्ज होने का मतलब यह नहीं है कि आरोपी अपराधी ही है। हमारी न्याय-व्यवस्था यह मानती है कि भले ही दस अपराधी छूट जाएं पर एक भी निरपराध को सज़ा नहीं मिलनी चाहिए। लेकिन सवाल है, यदि एक भी आरोप सही है तो व्यक्ति को शासन करने का अधिकार या अवसर क्यों मिले?

किसी भी सभ्य और उत्तरदायी समाज में राजनीति का अपराधीकरण चिंता और शर्म की बात होनी चाहिए।

विश्वनाथ सचदेव

राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की बढ़ती भागीदारी पर चिंता तो अक्सर व्यक्त की जाती है, पर इसे रोकने की कोई ईमानदार कोशिश कोई नहीं करता। सवाल नीति का नहीं, नीयत का है। इसी नीयत का परिणाम है कि गंभीर आरोपों से घिरे लोग भी राजनीतिक दलों के लिए चुनावी विवशता बन जाते हैं। सवाल इस नीयत को बदलने का है। यह काम ठोस और ईमानदार कार्रवाई की मांग करता है, और हमारी राजनीति में इसका नितांत अभाव है। हमारी राजनीति के कर्ता-धर्ताओं से पूछा जाना चाहिए कि कल तक जिसे वे अपराधी घोषित करते थे, दल-बदल करते ही वह व्यक्ति ईमानदार कैसे हो जाता है? राजनेताओं की इसी करनी का परिणाम है कि राजनीति को शुद्ध करने की कोशिशों पर जनता को विश्वास नहीं होता। बात सोलजेनित्सिन की बात तक पहुंचती हैदृ राजनेता यह जानते हैं कि हम जानते हैं कि वे झूठ बोल रहे हैं... फिर भी...।

यह अपेक्षा करना कि राजनीति में शुचिता की बात करने वाले सचमुच ईमानदार बन जाएंगे एक अनहोनी बात लगती है। पर इसे संभव बनाने की दिशा में लगातार सक्रिय रहने की आवश्यकता है। सजग रहने की भी। राजनीति में शुचिता की बात अवश्य करेंगे राजनेता, पर उनकी करनी इसके विपरीत ही होगी। इसलिए, यह दायित्व जागरूक नागरिक का बनता है कि वह आपराधिक पृष्ठभूमि वाले राजनेताओं के खिलाफ एक सतत मुहिम चलाये। मैं भ्रष्ट राजनेता को वोट नहीं दूंगादृ इस आशय का एक अभियान चलना चाहिए देश में। और यह अभियान चलते रहना चाहिए। लगातार। राजनीति को अपराध से मुक्त करने का यही एक तरीका है।

जनता के सम्मान की लड़ाई 'वोटर अधिकार यात्रा'

बिहार में तथाकथित वोटचोरी के खिलाफ राहुल गांधी की ÷वोटर अधिकार यात्रा÷ के एक सप्ताह हो चुके हैं। यात्रा में जन सैलाव उमड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग और भाजपा वोटचोरी के आरोप का ठीक से बचाव नहीं कर पा रहे ,वहीं सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से यह जाहिर हो गया है कि यात्रा के संकेत शुभ हैं। कांग्रेस खेमे में इस बात को लेकर उत्साह है कि राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस, संसद में लगातार प्रदर्शन के बाद अब वोटर अधिकार यात्रा की वजह से ÷वोटचोरी÷ विरोधी अभियान बिहार ही नहीं देश भर में चर्चा का विषय बन गया है।

राहुल गांधी की अगुवाई से इस यात्रा से जातीय ध्रुवीकरण की बजाय वोट चोरी का मुद्दा काफ़ी अहम हो गया है।हालांकि पार्टी में एक वर्ग का मानना है कि केवल निगेटिव प्रचार की बजाय लोगों से किए जाने वाले वादों को यात्रा में प्रमुखता से उठाना चाहिए। क्योंकि यात्रा की भीड़ वोट में किस हद तक तब्दील होगी, इसको लेकर अनुमान लगाना मुश्किल है।

चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे वोटरलिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के ख़िलाफ़ निकाली जा रही इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी , तेजस्वी यादव , राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव दीपंकर भट्टाचार्य, मुकेश साहिनी खुली जीप में सवार होकर आम लोगों से मिलतेदृजुलते आगे बढ़ रहे हैं।सुबह और शाम के वक्त क़रीब दोदृदो घंटे यात्रा आगे बढ़ती है।

सासाराम से शुरू हो कर यह यात्रा दक्षिण बिहार के औरंगाबाद, गया, नवादा होते हुए नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर के रास्ते कटिहार, पूर्णिया,अररिया यानी सीमांचल के इलाके में पहुंच चुकी है। यात्रा सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, चंपारण, गोपालगंज, सिवान, छपरा होते हुए आरा में ख़त्म होगी।एक सितंबर को पटना के गांधी मैदान में बड़ी रैली होगी।

अब तक की यात्रा के दौरान मुंगेर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव खानकाह रहमानी के मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी मिले। खानकाह का लंबा इतिहास है।यह खानकाह 1901 में मौलाना मोहम्मद अली मुंगरी ने स्थापित की थी। तब से यह केंद्र सिर्फ सामाजिक सुधार का ही केंद्र नहीं रहा बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों की मदद भी करता रहा।बल्कि यहां महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, अबुल कलाम आजाद और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे नेता भी आकर रुके हैं। राहुल गांधी के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी इस खानकाह का दौरा कर चुके हैं। वहीं सीमांचल में महात्मा गांधी के पौत्र तुषार गांधी ने यात्रा का समर्थन किया। इसके अतिरिक्त तेजस्वी यादव और पुर्णिया सांसद पप्पू यादव एक मंच पर आए। गठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे पर भी राहुल गांधी ने कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिए हैं।

सीमांचल के इलाका अररिया में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा की सफलता यह साबित करती है कि बिहार के करोड़ों लोग वोट चोरी की बात को सच मान रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस यात्रा में लोग खुद जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का काम सही वोटर लिस्ट देने का होता है, लेकिन हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में उन्होंने ऐसा नहीं किया। चुनाव आयोग का व्यवहार बिहार में भी वोट की चोरी करने का है।उन्होंने कहा कि बिहार में वे वोट चोरी नहीं होने देंगे। चुनाव आयोग खुद अपनी छवि खराब कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कर्नाटक के एक विधानसभा में वोटर को लेकर उन्होंने डाटा रखा था, लेकिन चुनाव आयोग ने हमसे ही एफिडेविट की मांग कर दी, जबकि करीब वही बात भाजपा के अनुराग ठाकुर ने रखी, लेकिन उनसे एफिडेविट की मांग नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मीडिया को भी मालूम है कि चुनाव आयोग किसके साथ खड़ा है। वहीं कटिहार में उन्होंने कटिहार में राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने निजीकरण और अग्निवीर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के पास सार्वजनिक क्षेत्र और सेना में करियर के अवसर होते थे, लेकिन अब ये विकल्प खत्म हो रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि आज छोटे उद्यमियों के लिए कारोबार शुरू करना लगभग असंभव हो गया है, जबकि बड़े उद्योगपति बैंकों से अरबों का कर्ज लेकर माफ करा लेते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस पर संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार छीनने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया।

वोट अधिकार यात्रा को लेकर राहुल गांधी के साथ पुर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कहा कि 'चुनाव आयोग का दफ्तर अब भाजपा और आरएसएस के गुंडों की तरह काम कर रहा है।' भाजपा केवल विपक्षी दलों को ही नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सत्ता पाने के लिए हर हथकंडा अपनाती है। आज हालत यह है कि भाजपा की धूर्तता और दुष्टता से

नीतीश कुमार का राजनीतिक और वैचारिक ह्रास हुआ है।

उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा वोट की राजनीति के लिए नहीं है, बल्कि ÷जनता के सम्मान और वोट की चोरी को रोकने की लड़ाई÷ है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले चुनावों में महाराष्ट्र, कर्नाटक और बंगाल तक में धांधली के सवाल उठे हैं। यहां तक कि भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने भी कहा था कि उनके क्षेत्र में साढ़े तीन लाख वोटरों के नाम काट दिए गए, जिनमें उनके परिवार के लोग भी शामिल थे।

पप्पू यादव ने कहा कि आस्तीन के सांप अपने ही घर में हैं और चुनाव आयोग उन्हें प्रोटेक्शन दे रहा है। पूर्व चुनाव आयुक्तों ने भी माना है कि यदि हम होते तो राहुल गांधी द्वारा उठाए मुद्दों पर तुरंत जांच होती। आज अघोषित हिटलरशाही लागू है। 65 लाख वोटर लिस्ट से गायब हो गए, लेकिन एक भी नया नाम नहीं जुड़ा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि साढ़े पाँच बजे के बाद एक करोड़ वोट कैसे गिरे? सीसीटीवी फुटेज क्यों नहीं दिया जा रहा?

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पप्पू यादव ने भविष्यवाणी से इनकार करते हुए कहा कि जनता ही मालिक है और वही तय करेगी कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी। उन्होंने गठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे पर कहा कि ÷जनता वोट देगी, विधायक चुनकर आयेंगे और वही तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा।÷

राजद नेता सह पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि केंद्र सरकार एसआइआर के माध्यम से वोट चोरी का अभियान चला रखी है। प्रधानमंत्री मोदी और अमित साह जुमलेबाजी करते हैं। इतने दिनों से जुमला ही सुना रहे हैं। हम पर केस कराया गया। हिम्मत है तो देश के हर थाने में केस दर्ज करा दें। हम बिहारी डरते नहीं हैं। हम बिहारी चुना को खैनी में रगड़ देते हैं। उन्होंने एनडीए का मतलब नहीं देंगे अधिकार बताया।उन्होंने कहा कि बिहार और बिहारियों का अस्तित्व नहीं मिटने देंगे।

रंजीत रंजन ने कहा कि वोट के अधिकार से ही लोकतंत्र मजबूत होता है, लेकिन जिस तरह वोट की चोरी कर लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है, उसके खिलाफ जनता को जागरूक करने के लिए यह यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान के हनन और लोकतंत्र की हत्या के खिलाफ आंदोलन कर रही है। महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में हुई गड़बड़ियों को भी सामने लाया गया है, लेकिन चुनाव आयोग मनमानी कर रहा है। जदयू विधायक द्वारा राहुल गांधी पर की गई टिप्पणी के जवाब में रंजीत रंजन ने कहा कि जदयू नेताओं को पहले यह तय करना चाहिए कि वे किस खेमे में हैं। ÷उनके नेता जिस तरह पलटते रहते हैं, उन्हें मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत है।

अपने यात्रा के क्रम में वो जहाँ पुर्णिया की सड़कों पर बुलेट कि सबारी करते देखे तो आम आदमी से जुड़े होने का संदेश देने के लिए मखाना मजदूरों के बीच भट्ठी के पास मखाना निकालते दिखे । जूते उतारकर पानी भरे खेतों में मखाना किसानों से मिलने पहुंचे। उन्होंने अपनी पैंट घुटनों तक मोड़ ली और किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनीं। दरभंगा और मधुबनी से आए मजदूरों और व्यापारियों से भी राहुल ने मखाना उद्योग से जुड़ी परेशानियों पर चर्चा की।

कुमार कृष्णन

राहुल गांधी की इस यात्रा में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव जैसे प्रमुख नेता भी अलग-अलग चरणों में शामिल होंगे। यह यात्रा न केवल मतदाता जागरूकता को बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले विपक्षी गठबंधन की एकजुटता को प्रदर्शित करने की रणनीति का हिस्सा भी मानी जा रही है। इंडिया गठबंधन के बड़े चेहरों को आमंत्रित कर कांग्रेस एक तरफ़ एकजुटता का संदेश देने और यात्रा को लगातार सुर्खियों में बरकरार रखना चाहती है।

बिहार में इंडिया गठबंधन के सामने असली चुनौती सीट बंटवारे और उम्मीदवार चयन की है। अंदरखाने सभी दल अपना होमवर्क पूरा करने में जुटे हैं। वोटर अधिकार यात्रा में राहुल अगुवाई तो कर रहे हैं लेकिन क्या कांग्रेस को मन मुताबिक सीटें मिल पाएंगी ये देखने वाली बात होगी। इसके बाद लुभावने वादों को वोटरों तक पहुंचाने की बारी आएगी।राहुलदृतेजस्वी की यात्रा से इंडिया गठबंधन ख़ास तौर पर कांग्रेस भले ही उत्साहित हो लेकिन बीजेपी इसे घुसपैठिया बचाओ यात्रा करार दे रही है।यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कुछ ऐसे लोगों का वीडियो जारी किया जिनके वोट कथित तौर पर कट गए हैं।लेकिन चुनाव आयोग ने कुछ ही समय में फैक्टचेक करते हुए साफ़ किया कि इनके से कुछ का दावा गलत है और उनके नाम मतदाता सूची में मौजूद हैं। लेकिन वोटचोरी के आरोपों और सफ़ाई के बीच राहुल गांधी की दो हफ़्ते में लगभग तेरह सौ किलोमीटर की बिहार यात्रा चर्चा में है।भाजपा ने राहुल गांधी की इस यात्रा को राजनीतिक स्टंट करार दिया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इसे कंस की राह बताया।

कांग्रेस इसी बात से संतुष्ट है कि अरसे बाद बिहार की सियासत में उसे गंभीरता से लिया जा रहा है।

जाते -जाते दलौदा सर्राफा व्यापारी के साथ हुई डकैती का खुलासा कर गए एसपी

माही की गूंज, मंदसौर।

जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद का स्थानांतरण विगत दिनों इंदौर हो गया था संभवतः आज नये पुलिस अधीक्षक विनोद मीणा पदभार भी ग्रहण कर लेंगे, लेकिन जाते-जाते जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद 15 अगस्त को सर्राफा व्यापारी के साथ हुई लूट की घटना का खुलासा कर गये।

एसपी अभिषेक आनंद ने मामले का खुलासा करते हुए पत्रकारवार्ता में बताया कि, विगत दिनांक 15 अगस्त की शाम साढे सात बजे दलोदा सराफा व्यापारी मनोहर सोनी के द्वारा अपनी दुकान को बंद कर सोने चांदी के जवाहरात को बैंग में भरकर अपने घर पर लौटते समय दो मोटर सायकल पर अज्ञात चार व्यक्ति सवार होकर आये एवं व्यापारी से सोने चांदी से भरा बैग लूटकर फरार हो गये। सूचना पर तत्काल मंदसौर पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद एवं समस्त पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच कर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक मन्दसौर के द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए 10 विशेष टीमो का गठन किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारीयो के मार्गदर्शन में निरीक्षक वरुण तिवारी थाना प्रभारी नई आबादी, निरीक्षक राजेन्द्र पवांर थाना प्रभारी मल्हारगढ , निरीक्षक अनिल रघुवंशी थाना प्रभारी नारायणगढ, निरीक्षक शिवांशु मालवीय थाना प्रभारी पिपल्यामण्डी, उप निरीक्षक मनोज गर्ग थाना प्रभारी दलोदा, उप निरीक्षक शैलेंद्र सिंह कनेश थाना प्रभारी अफजलपुर, उप निरीक्षक रितेश नागर सायबर सेल, उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय चौकी प्रभारी मुल्तानपुरा एवं उप निरीक्षक पूर्णिमा सिरोहिया चौकी प्रभारी कचनारा के नेतृत्व में गठित कुल 10 टीमो के द्वारा घटना की जांच की गयी। पुलिस टीम व्दारा लगातार 200 से अधिक फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान राजस्थान राज्य के नागौर जिले की कुख्यात बावरी गैंग के रूप में ज्ञात करने में सफल हुए। आरोपी की पहचान होने के बाद तकनीकी साक्ष्य के आधार पर जानकारी सकलित करते हुये अपने स्त्रोतो व सूचना संकलन के आधार पर मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि, उक्त लूटकांड के आरोपी द्वारा बोलेरो वाहन से पुनः किसी बडी वारदात को अंजाम देने की योजना में मन्दसौर तरफ रवाना हुए हैं।

उक्त सूचना पर तत्काल समस्त पुलिस टीमो को रवाना किया गया जहाँ नयाखेडा बायपास के पास सदिंग्ध वाहन बोलेरो का पिछा कर बोलेरो वाहन को रोक कर वाहन मे सवार सदेंही तीन व्यक्तियो को गिरफ्त मे लेकर पुछताछ करने पर तीन आरोपियो व्दारा अपने अन्य चार साथियो के साथ मिलकर उक्त लूट कारित की जाना स्वीकार किया गया। एक अन्य आरोपी मोटर सायकल पर था जिसे गिरफ्तार किया गया अतः पुलिस टीम व्दारा चार आरोपी सावंरराम पिता लादुराम निवासी जेतारण जिला पाली राजस्थान, सुराराम पिता मगंलाराम निवासी सेसडा जिला नागौर राजस्थान, विरमराम पुत्र लादुराम जाति बावरी को गिरफ्तार किया। आरोपीयो ने वारदात मे लूटा गया मशरुका आपस मे बाटंना व एक हिस्सा रामेश्वरलाल पुत्र रतनलाल सोनी निवासी जटवास थाना पांडुकला जिला नागौर राजस्थान को देना बताया था जिसे भी प्रकरण मे आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया गया है । मामले में अभी तीन आरोपी फरार है जिनकी तलाश मंदसौर पुलिस द्वारा कि जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक बोलेरो वाहन, मोटर सायकल, 100 ग्राम सोना, 3 किलो चांदी किमती लगभग 13 लाख रुपये बरामद किये है।

भव्य पंडाल में विराजमान हुए लालबाग के राजा...

माही की गूंज, अकोदिया।

अकोदिया नगर गणेश उत्सव का त्यौहार इस 27 अगस्त को शुरू हो गया है और गणपति बप्पा की पूजा आराधना के लिए बड़े-बड़े महानगरों से लेकर छोटे कस्बे और ग्रामीण क्षेत्र में भी गणपति बप्पा का इंतजार सभी को था। इस पर्व की भी एक अनूठी पूर्ण आस्था से भरी महिमा है, बड़े बुजुर्ग, और बच्चे सभी के गणेश भगवान आराध्य देवता के रूप में जाने जाते हैं। खासकर बच्चों में गौरी नंदन गणेश के प्रति ज्यादा भक्ति भाव रहता है। गणेश उत्सव का पर्व हर घर, हर मोहल्ले, हर नगर और ग्राम में बड़े ही उत्साह और उमंग से मनाया जाता है।

अकोदिया नगर में भी गणेश उत्सव पर्व को लेकर पूर्ण आस्था का वातावरण रहता है, गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को पूरे क्षेत्र भर की आस्था का केंद्र अकोदिया के लाल बाग के राजा का इंतजार है। नगर अकोदिया के मध्य (झंडा चौक) परिसर में विराजित विशालकाय सुंदर स्वरूप लिए दिव्य और भव्य, लाल बाग के राजा भगवान गणेश जी की प्रतिमा भक्तों को हर वर्ष अपनी और आकर्षित करती है। यहां पर पिछले 27 वर्षों से गणेश उत्सव का पर्व शांति, सद्भावना और अनुशासन से मनाया जाता है। इस बार भी गणेश भगवान सुंदर स्वरूप लिए भव्य पंडाल में विराजमान हुए। यहां पर गणेश उत्सव का त्यौहार एक रोल मॉडल के रूप में पूरे जिले भर में स्थापित हो चुका है। ईश्वर के प्रति समर्पित भाव और सभी की आस्था का सम्मान यहां पर गणेश उत्सव की हमेशा से विशेषता रही है। अकोदिया नगर के मध्य झंडा चौक, परिसर में विराजमान लाल बाग के राजा भगवान विघ्नहर्ता की विशालकाय दिव्य प्रतिमा, संगीतमय आरतीयां, और भव्य आकर्षक मंदिर का स्वरूप यहां पर मुख्य आकर्षण का केंद्र रहतें है। पूरे नगर में गणेश उत्सव के त्यौहार को लेकर उत्साह और उमंग का वातावरण देखा जा सकता है। अकोदिया नगर में अनेकों स्थानों पर परंपरागत रूप से गणेश उत्सव का पर्व मनाया जाता हैं, जिसमें मुख्य रूप से जाटपुरे के युवराज के नाम से जाटपुरे में भी विशालकाय प्रतिमा विराजित की जाती है, जिम कॉलोनी और सब्जी मार्केट गणेश उत्सव में भी बड़े ही हर्ष से गणेश उत्सव पर मनाया जाता है, सार्वजनिक धर्मशाला, श्री राम मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर (झंडा चौक) गोपाल मंदिर, राम मंदिर, संकट हरनी माता मंदिर,(बस स्टैंड) गणेश मंदिर, (कृषि उपज मंडी) दामोदर धाम मंदिर राठी कॉलोनी, संजय कॉलोनी, परिसर, सहित अनेकों सार्वजनिक स्थानों और मंदिरों में गणेश उत्सव का पर्व मनाया जाता है।

पांचाल, समाज के दूसरी बार अध्यक्ष पद पर नियुक्त

माही की गूंज, शुजालपुर।

विश्वकर्मा पांचाल सेवा समिति की नई कार्यकारिणी का गठन स्थान रुद्राक्ष गार्डन फ्रीगंज शुजालपुर मे किया गया। भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर पर माल्या अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी वरिष्ठ जनों ने सभी पदाधिकारी को शाल श्रीफल देकर स्वागत किया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

वरिष्ठ की सर्वसम्मति से बाबूलाल पांचाल को विश्वकर्मा पांचाल समाज का दूसरी बार अध्यक्ष चुना गया। क्योंकि समाज के प्रति अपनी कार्यशैली लगन कार्य करना एक बहुत कठिन कार्य है, लेकिन पंचाल ने हमेशा समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया है। इसीलिए सर्वसम्मति से एक बार फिर से पुने अध्यक्ष बनाए गए बाबूलाल पांचाल पुलिस विभाग से हैं लेकिन अपनी सभी की नजर में एवं समाज की नजर में एक ऐसी छवि बनाकर रखी है। आज तक किसी प्रकार का कोई दाग अपने ऊपर नहीं लगने दिया सभी कार्य मेहनत और लगन से करते हैं। समाज के प्रति भी उनका बहुत योगदान रहा है। ऐसा बताया जाता है की पांचाल मोरटा गांव के निवासी हैं लेकिन सुजालपुर काफी समय से रह रहे हैं एवं अपनी कार्यशैली की छवि से ही सुजालपुर में पहचाने जाते हैं। इसलिए एक बार समाज के लोगों ने बाबूलाल पांचाल के ऊपर एक बार फिर भरोसा जताया है एवं सामाजिक कार्य की कमान सोपी है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शाजापुर से पधारे अशोक पांचाल ने की। कार्यकारिणी के सभी सदस्य का चुनाव स्थाई सदस्यों द्वारा निर्विरोध सर्वसम्मति से किया गया। नई कार्यकारिणी मे अध्यक्ष बाबूलाल पांचाल, उपाध्यक्ष महेन्द्र पांचाल (कालापीपल), कोषाध्यक्ष बंशीलाल विश्वकर्मा, सचिव राकेश पांचाल संवरक्षक मुकेश पांचाल, सलाहकार अशोक पांचाल, रमेश पांचाल एवं भवानीशंकर पांचाल को शामिल किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सुरेश कारपेंटर, जगदीश यादव, अशोक पांचाल (सटेडी), अशोक पांचाल (रायकनपुरा), अनिल पांचाल, शिवनारायण पांचाल, रमेश पांचाल (पूर्व अध्यक्ष), राहुल पांचाल, रुपनारायण पांचाल अरविन्द पांचाल आदि बढ़ी संख्या मे समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत मे सभी ने सहभोज किया।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी शाखा की प्रबंध समिति के लिए निर्वाचन परिणाम घोषित

माही की गूंज, रतलाम।

भारतीय रेडक्रास सोसायटी शाखा रतलाम की जिला शाखा की कार्यकारिणी समिति में सभापति, उपसभापति तथा कोषाध्यक्ष एवं सदस्यों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय रतलाम में सम्पन्न हुई। निर्वाचन हेतु कुल 26 उम्मीदवारों ने तय प्रक्रिया अनुसार नामांकन पत्र दाखिल कर निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लिया।

निर्वाचन के लिए पदाभिहीत अधिकारी आशीष उपाध्याय की उपस्थिति में मतदान संपन्न हुआ। मतदान उपरान्त मतगणना की गई। पदाभिहीत अधिकारी द्वारा जारी मतगणना परिणाम अनुसार निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों मे अमित नागर को 145 मत, अमृत बिन्नी को 41 मत, अशोक कुमार संघवी को 393 मत, आशीष घोटिकर को 114 मत, अंकित कटारिया को 201 मत, चैतन्य शर्मा को 90 मत, दिनेश बरमेचा को 454 मत, नरेंद्र अग्रवाल को 77 मत, डॉ प्रदीप जैन को 157 मत, प्रीतेश गादिया को 609 मत, मनोज उपाध्याय को 141 मत, महेंद्र भंडारी को 153 मत, राकेश पोरवाल को 270 मत, राजेश रांका को 417 मत, रितेश मेहता को 160 मत, विकास छाजेड को 171 मत, विजय पोरवाल को 317 मत, विजय शर्मा को 48 मत, शरद जोशी को 474 मत, सुनील पारिख को 417 मत , सुनील शर्मा 108 मत, डॉ सुलोचना शर्मा को 428 मत, सुशील उपाध्याय को 95 मत, सुशील मूणत को 490 मत, सुनील कुमार लूनिया को 446 मत एवं हेमंत मूणत को 463 मत प्राप्त हुए।

मतगणना में अधिकतम मत प्राप्त करने वाले 10 सदस्यों को भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी शाखा की प्रबंध समिति के लिए निर्वाचित घोषित किया गया। जिसमें प्रितेश गादिया 609 मत, सुशील मूणत 490 मत, शरद जोशी 474 मत, हेमंत कुमार मूणत 463 मत, दिनेश बरमेचा 454 मत, संजय कुमार लूनिया 446 मत, डॉ सुलोचना शर्मा 428 मत, राजेश रांका 417 मत, सुनील पारिख 417 मत एवं अशोक कुमार संघवी 393 मत शामिल हैं।

प्रबंध समिति के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मिति से सभापति के लिए प्रितेश गादिया, उपसभापति के लिए सुशील मूणत एवं कोषाध्यक्ष के लिए संजय कुमार लूनिया को निर्वाचित किया गया।

जैविक खाद बनाने की यूनिट स्थापित कराएं – कलेक्टर

माही की गूंज, रतलाम।

गत दिनों कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर राजेश बाथम की अध्यक्षता में पशुपालन एवं डेयरी विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रृंगार श्रीवास्तव, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवा नवीन शुक्ला, डॉ. सुभाष बारिया सहित पशुपालन विभाग के डॉक्टर उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर बाथम ने गौशालाओं के सभी पशुओं की टैगिंग करवाने के लिए उप संचालक पशु चिकित्सा को निर्देशित किया।

बैठक में आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना में अधिक से अधिक आवेदन करने, गौशालाओ मे टैगिंग एवं भारत पशुधन एप में दर्ज गौवंश की सभी गतिविधियों जैसे टीकाकरण, पशु आहार, कृत्रिम गर्भाधान की जानकारी को एप पर दर्ज करवाने, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना अंतर्गत हितग्राहियों को प्रशिक्षण देने, साथ ही मिल्क रूट पर ही हितग्राही चयनित करने एवं गौशाला से निकलने वाले गोबर से जैविक खाद बनाने की यूनिट स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में उपसंचालक पशु चिकित्सा ने बताया कि जिले में चलित पशु चिकित्सा इकाई पशु संजीवनी वाहन के माध्यम से पशुपालकों के बीमार पशुओं के उपचार के लिए घर पहुंच सेवा उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके लिए पशु पालक को 1962 टोल फ्री नंबर पर फोन करना होता है। फोन पर चलित पशु चिकित्सा एम्बुलेंस से सशुल्क घर पहुंच पशु उपचार सेवा उपलब्ध कराई जा रही है।

शिवना नदी को प्रदूषण मुक्त रखने की हम सब की जिम्मेदारी- विधायक जैन

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में शिवना प्रदूषण मुक्ति अभियान के दौरान श्रमदानियों द्वारा शिवना तट पर कोर्ट रोड की तरफ रोड के आस पास जगह-जगह फैले कचरे व गाजर घांस को साफ कर स्वच्छ स्वरूप प्रदान किया गया। श्रमदानियों द्वारा श्रमदान कर एक ट्राली प्लास्टिक कचरा, गाजर घांस निकाली। मंदसौर विधायक विपिन जैन के आह्वान पर 1 मई से निरंतर चल रहे अभियान के दौरान आज श्रमदानियों ने दो घंटा पसीना बहा कर श्रमदान किया। इस अवसर पर विधायक विपिन जैन ने कहा कि, शिवना नदी को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हर मंदसौर वासी की जिम्मेदारी है, इसे हम सब को निभानी चाहिए। यह जिम्मेदारी हमें पूरे साल भर निभानी चाहिए। जैन ने आगे कहा कि शिवना को प्रदूषण मुक्त और स्वच्छ बनाए रखने के लिए यह अभियान आगे निरंतर जारी रहेगा। उन?होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि प्लास्टिक की थैलियां व कचरा शिवना नदी में न डालें। जैन ने सभी मंदसौर वासियों से आहवान किया कि, शिवना शुद्धिकरण अभियान में श्रमदान करने जरूर पधारे।

आप पार्टी की जिला संगठन बैठक संपन्न

माही की गूंज, शाजापुर।

आम आदमी पार्टी जिला संगठन शाजापुर की महत्वपूर्ण बैठक आदित्य नगर, अमन गार्डन में सम्पन्न हुई। इस बैठक में प्रदेश सचिव सतीश कुमार मलिक, प्रदेश उपाध्यक्ष शिक्षा विंग संदीप शर्मा तथा प्रदेश अध्यक्ष आदर्श विंग मगलानी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा की गई। आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। संगठन विस्तार को लेकर रणनीति बनाई गई।

प्रदेश पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि, आम आदमी पार्टी जनसेवा, ईमानदारी और पारदर्शिता के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि जनता की आवाज़ को मजबूती से उठाया जाए।

बैठक में जिले के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक शामिल हुए तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में प्रमुख रूप से एडवोकेट विवेक शर्मा, जिया लाला, ऋषि परमार, अनिल जाट, इमरान वारसी, भोजराज आचार्य, नौशाद सुनेरा, इम्तियाज खान, निर्मला सेंगर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरतालिका तीज पर महिलाओं ने व्रत रख की पति की लंबी उम्र की कामना

माही की गूंज, शुजालपुर।

अकोदिया में हरतालिका तीज का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना के लिए निर्जला व्रत रखा। महिलाओं ने सुबह से बिना जल और भोजन के व्रत का आरंभ किया। घरों और मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। महिलाओं ने बालू से भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमाएं बनाईं। आकर्षक झांकियों में महादेव को विराजमान किया गया। सुहागिनों ने मंगल गीत गाकर रात्रि जागरण किया।

ग्रामीण क्षेत्र के मंदिरों में भी महिलाओं ने समूह बनाकर पूजन किया। उन्होंने 16 श्रृंगार कर भगवान शिव और माता पार्वती की झांकियां सजाईं। वृक्षों की पत्तियों के साथ मेहंदी, कुमकुम, हल्दी और फल अर्पित किए। झंडा चौक पर भगत जी का शिव मंदिर में अर्चना शर्मा ने हरतालिका तीज की कथा सुनाई। कुंवारी कन्याओं ने भी सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए व्रत रखा। सुरेश शर्मा ने बताया कि इस व्रत से घर में सुख-शांति की प्राप्ति होती है।

व्रत करने वाली महिलाएं अगले दिन सुबह नदी किनारे जाकर पूजन सामग्री का विसर्जन करेंगी। रात भर भजन-कीर्तन का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। कुंवारी कन्या वाणी विश्वकर्मा ने बताया कि मेरी सभी मनोकामना पूरी हो इसलिए भगवान शिव के सामने व्रत रखकर लगातार 4 वर्ष से हरतालिका तीज का व्रत करती हूं।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड का वितरण करे आशा कार्यकर्ता

माही की गूंज, रतलाम।

प्रदेश में पीपीपी मॉडल पर आधारित चार नए मेडिकल कॉलेज का शुभारंभ और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत नवाचारों का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्य प्रदेश शासन और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भारत सरकार की उपस्थिति में नेताजी सुभाष चंद्र बोस कल्चरल इन्फॉर्मेशन सेंटर जबलपुर में किया गया। कार्यक्रम में 08 लाख आयुष्मान वय वंदना पी.वी.सी. कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ , स्मार्ट चैट बोट (आयुष्मान सखी) का शुभारंभ, स्वस्थ यकृत मिशन अंतर्गत एक करोड़ स्क्रीनिंग की पूर्णता की उपलब्धि की घोषणा, आशाओं से सीधा संवाद'' पहल का शुभारंभ , गर्भावस्था पोषण पर आधारित प्रचार प्रसार सामग्री पोस्टर एवं नवीन एमसीपी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुरक्षा कार्ड का शुभारंभ आदि गतिविधियां राज्य स्तर से की गई। रतलाम जिले में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जिला चिकित्सालय रतलाम के नर्सिंग हॉस्टल परिसर में देखा और सुना गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी एवं रोगी कल्याण समिति सदस्य श्री गोविंद काकानी ने कहा कि रतलाम जिले में मातृशक्ति के रूप में आशा कार्यकर्ता आयुष्मान वय वंदना कार्ड का वितरण घर घर जाकर करें। उन्होंने इस कार्य में रतलाम जिले को प्रथम स्थान पर लाने की अपील की। गोविंद काकानी ने कहा कि एक समय था , जब घर में परिवार जनों के गंभीर बीमार होने पर महिलाओं को अपने गहने गिरवी रखने पड़ते थे किंतु आज आयुष्मान भारत योजना गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए संबल बनी है। यह कार्य भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने नेत्रदान पखवाड़ा 25 अगस्त से 8 सितंबर तक के दौरान अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने तथा देहदान के लिए जागरूकता करने की बात कही। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संध्या बेलसरे ने बताया कि 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को प्रदान करने के लिए 8 हजार कार्ड प्रथम चरण में जिले में प्राप्त हो गए हैं , इनका क्रमबद्ध रूप से वितरण किया जाएगा। जिले के नोडल अधिकारी डॉक्टर राजेश मंडलोई ने बताया कि आयुष्मान सखी एक व्हाट्सएप चैट बोट है जिसमें 07552762582 नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से हेलो या नमस्ते लिखते ही विभिन्न प्रकार के विकल्प प्राप्त हो जाते हैं , इन विकल्पों का चयन करके आयुष्मान भारत योजना के बारे में जानकारी, पात्रता की जांच, आयुष्मान कार्ड वॉलेट की जानकारी, आयुष्मान कार्ड से संबद्ध अस्पतालों की सूची , तथा योजना के संबंध में प्रश्न पूछे जा सकते हैं, जिनका मौके पर ही तत्काल निराकरण हो जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रबंधक डॉक्टर गौरव बोरीवाल, आशीष चौरसिया, उप जिला विस्तार एवं माध्यम अधिकारी श्रीमती सरला वर्मा, शरद शुक्ला, आनंदीलाल जैन, लोकेश वैष्णव सहित शहरी एल एच वी, सुपरवाइजर सहित कई शहरी आशा कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

पालतु कुत्ता गुम होने पर आरआई ने कॉन्स्टेबल को बेल्ट से पीटा

माही की गूंज, खरगोन।

पालतू कुत्ता गुम होने से नाराज़ रिज़र्व इंस्पेक्टर (आरआई) ने कॉन्स्टेबल की पिटाई कर दी। कॉन्स्टेबल का आरोप है कि आरआई और उनकी पत्नी ने जातिसूचक गालियाँ दीं और बेल्ट से मारा। यह घटना 23 अगस्त की है। चोटों को दिखाते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित कॉन्स्टेबल राहुल चौहान ने बुधवार को अजाक (अनुसूचित जाति-जनजाति) थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। वीडियो में राहुल अपने हाथ, पैर, कमर और पीठ पर पड़े नीले निशान दिखा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, 23 अगस्त की रात करीब 10 बजे कुत्ता गुम हुआ था, जो अगले दिन शाम को घर के पास ही मिल गया।

कॉन्स्टेबल राहुल चौहान ने बताया कि उसकी ड्यूटी आरआई सौरभ कुशवाहा के सरकारी आवास पर लगी थी। 23 अगस्त की रात ड्यूटी पूरी कर वह अपने क्वार्टर लौट आया। देर रात करीब डेढ़ बजे आरआई ने फोन कर तुरंत बुलाया। वहाँ पहुँचने पर कुत्ते के गुम होने की नाराज़गी में आरआई ने उसकी पिटाई कर दी। राहुल का कहना है कि मारपीट के दौरान आरआई की पत्नी भी मौजूद थीं। उन्होंने चप्पल से मारा और नौकरी से निकलवाने की धमकी दी।

पुलिस ने कॉन्स्टेबल का चिकित्सीय परीक्षण करा लिया है। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने जांच के निर्देश दिए हैं। उनके अनुसार, आरआई सौरभ कुशवाहा और उनकी पत्नी से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दोपहर में आरआई सौरभ कुशवाहा पर कार्रवाई की मांग को लेकर जयस संगठन ने प्रदर्शन किया। प्रतिनिधियों ने अजाक थाने पहुँचकर प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की। एसडीओपी रोहित लखारे और कोतवाली थाना प्रभारी बी.एल. मंडलोड़े ने समझाइश दी कि विभागीय स्तर पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नाराज़ कार्यकर्ताओं ने खंडवा-वडोदरा मार्ग पर धरना भी दिया।

आवारा कुत्तों का कहर, 7 लोग घायल

माही की गूंज, बड़वानी।

शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार को दिनभर में कुत्तों ने 7 लोगों पर हमला कर दिया। इनमें एक बुजुर्ग की नाक काटने और 8 साल की बच्ची को गंभीर रूप से घायल करने की घटना भी शामिल है।

किराने की दुकान पर गई बच्ची बनी शिकार

नवलपुरा क्षेत्र में कुत्तों को भगाने की कोशिश के दौरान एक बुजुर्ग पर हमला हुआ। कुत्तों ने उन्हें कई जगह काटा और उनकी नाक तक नोच डाली। वहीं, रमकुलेश्वर इलाके में 8 साल की बच्ची किराने का सामान लेने गई थी। वहां करीब 8-10 कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने बड़ी मुश्किल से बच्ची को बचाया। उसके हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं।

नेमिनाथ कॉलोनी में सुनील मुकाती और उनकी पत्नी बाजार से लौट रहे थे। कॉलोनी में प्रवेश करते ही कुत्तों के झुंड ने दोनों पर हमला कर दिया। वे जमीन पर गिर पड़े, लेकिन आसपास के लोगों की मदद से उनकी जान बच सकी।

सभी घायलों को जिला अस्पताल की आपातकालीन ओपीडी में भर्ती कराया गया है। उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले कुत्तों ने एक दो साल के बच्चे को नोंचकर मौत के घाट उतार दिया था। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा आवारा कुत्तों को पकड़ने और उनकी नसबंदी की प्रक्रिया को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

भागने निकलीं दो सहेलियाँ, पकड़ी गईं

माही की गूंज, खंडवा।

बिहार के नालंदा जिले की दो नाबालिग सहेलियाँ परिजनों की टोका-टाकी से परेशान होकर मुंबई भागने निकलीं, लेकिन खंडवा रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

दोनों दसवीं कक्षा की छात्राएँ हैं और मोहल्ले के ही नाबालिग प्रेमियों से लगातार फोन पर बात करती थीं। घर वाले उन्हें रोकते-टोकते थे, जिससे विवाद बढ़ता गया। आखिरकार उन्होंने मुंबई जाकर विवाह करने और वहीं बसने का निर्णय लिया।

प्रेमियों ने उन्हें पहले भेजने की योजना बनाई। इसके लिए करीब दस दिन पहले मुंबई में किराए का मकान भी ले लिया गया था। 23 अगस्त को दोनों सहेलियाँ जनता एक्सप्रेस से मुंबई के लिए रवाना हुईं।

छात्रवृत्ति योजना से खरीदे गए मोबाइल फोन की लोकेशन से पुलिस को उनकी जानकारी मिली। खंडवा रेलवे सुरक्षा बल ने 24 अगस्त की रात दोनों को उतार लिया।

सूचना मिलने पर परिजन 1400 किलोमीटर की दूरी तय कर 27 घंटे बाद खंडवा पहुँचे। बाल कल्याण समिति ने परिजनों और बच्चियों से बातचीत कर उन्हें सुपुर्द कर दिया।

गिनीज बुक में दर्ज होगा नर्मदा पाइपलाइन का फूटना?

माही की गूंज, खंडवा।

खंडवा शहर में पेयजल संकट का कारण बनी नर्मदा जलापूर्ति पाइपलाइन अब अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर ने दावा किया है कि यह पाइपलाइन अब तक 400 से अधिक बार फट चुकी है, जो अपने आप में एक अभूतपूर्व आँकड़ा है। उन्होंने इस मामले को गिनीज विश्व कीर्तिमान में दर्ज कराने के लिए आवेदन किया, जिसे प्रारंभिक रूप से स्वीकृति भी मिल चुकी है।

गिनीज प्रबंधन की ओर से राठौर से दस आँकड़े तथा आधिकारिक दस्तावेज प्रमाण स्वरूप मांगे गए हैं। इसके लिए उन्होंने कलेक्टर ऋषव गुप्ता को पत्र लिखकर पाइपलाइन फूटने की घटनाओं का विस्तृत रिकॉर्ड उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

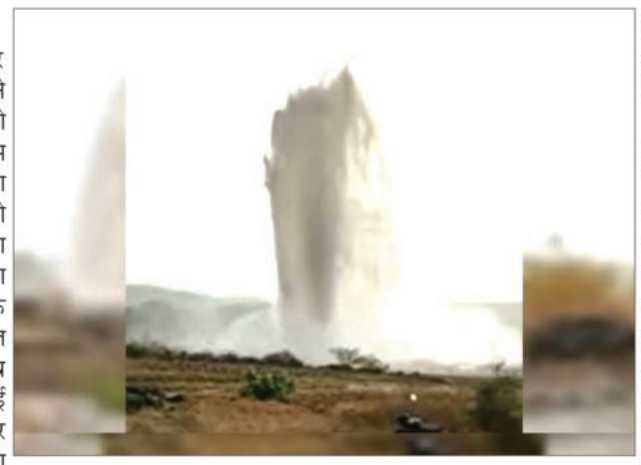

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने इस आवेदन को नगर निगम आयुक्त प्रियंका राजावत को प्रेषित कर दिया है और निर्देश दिए हैं कि संबंधित जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। इस पर आयुक्त का कहना है कि रिकॉर्ड संकलन की प्रक्रिया चल रही है और शीघ्र ही जवाब प्रस्तुत किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर ने बताया, मैंने 8 अगस्त 2025 को गिनीज विश्व कीर्तिमान में ऑनलाइन आवेदन किया। खंडवा की नर्मदा जलापूर्ति योजना के अंतर्गत एक पाइपलाइन अब तक लगभग 400 बार फूट चुकी है। यह संख्या इस श्रेणी में पूरे विश्व में कहीं और नहीं मिलेगी।

इस अनोखे आवेदन पर जब दैनिक भास्कर ने कलेक्टर ऋषव गुप्ता से प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, यह विपक्ष का नया तरीका है। विपक्ष का कार्य मुद्दे उठाना और प्रशासन को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करना होता है। यदि इससे प्रशासन पर सकारात्मक दबाव बनता है तो यह भी लोकतंत्र की एक प्रक्रिया है।

कलेक्टर ने यह भी बताया कि पाइपलाइन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब जोड़ने की अंतिम प्रक्रिया चल रही है। अनुमान है कि दीपावली तक इस पाइपलाइन से जल आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

खंडवा शहर की नर्मदा जलापूर्ति योजना के अंतर्गत बिछाई गई पाइपलाइन बार-बार फटने से कई क्षेत्रों में घंटों और कभी-कभी दिनों तक जल आपूर्ति बाधित रहती है। स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ विपक्ष भी लंबे समय से इस समस्या को लेकर नाराजगी जताता रहा है।

अब इस समस्या को अनोखे अंदाज़ में उठाते हुए विपक्ष ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचाने की कोशिश की है। यदि यह रिकॉर्ड दर्ज होता है तो यह खंडवा के लिए एक अनचाहा गौरव साबित हो सकता है।

बिजली गिरने से किसान की मौत

माही की गूंज, बड़वाह।

कुंडिया ग्राम पंचायत के अरोदा टांडा में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। किसान देवा चोहान (37) की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।

देवा अपने खेत में काम कर रहा था। अचानक बारिश शुरू होने पर वह घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में उस पर आकाशीय बिजली गिर गई। परिजन और राहगीर उसे तुरंत बड़वाह के शासकीय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और कानूनी कार्रवाई शुरू की। गांव के पूर्व सरपंच राधेश्याम राठौर ने बताया कि देवा अपने परिवार का सबसे बड़ा बेटा था। उसके तीन बेटियां और एक बेटा है। इनमें से केवल एक बेटी की ही शादी हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक छा गया। परिजन और रिश्तेदार गहरे दुख में हैं।

शुभ मुहूर्त में विराजमान हुए विघ्नहर्ता श्री गणेश

माही की गूंज, आम्बुआ।

गौरीसुत, संकटमोचन, विघ्नविनायक और रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान श्री गणेश जी का शुभ स्थापना पर्व आम्बुआ कस्बे में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। परंपरा के अनुसार, गणेश प्रतिमाओं को पहले नगर भ्रमण कराया गया। इस दौरान विभिन्न वाहनों पर सवार गणेश प्रतिमाएं गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया के जयकारों के साथ नगरभर से होकर गुज़रीं।

इसके बाद पांडालों में विधि-विधानपूर्वक प्रतिमाओं की स्थापना की गई। आम्बुआ कस्बे में बाल शिव भक्त मंडल, कुम्हार मोहल्ला महाकाल मंडल, आवास फलिया (दो स्थानों पर) तथा पंचायत भवन प्रांगण में श्रीराम मित्र मंडल द्वारा गणपति स्थापना की गई। पूजा-अर्चना और आरती के बाद विघ्नहर्ता को उनके आसन पर विराजित किया गया।

सभी स्थानों पर प्रतिदिन प्रातः, दोपहर और संध्या को आरती का आयोजन होगा। गणेशोत्सव के अवसर पर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया।

गड्ढे से बचने में कार पलटी, दो लोगों की मौत

माही की गूंज, खंडवा। खिरकिया के भिरगी रेलवे फाटक के पास बुधवार को सड़क पर बने गड्ढे से बचने के प्रयास में एक कार पलट गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए।

मृतकों की पहचान सारंगपुर निवासी 65 वर्षीय काशीराम राजपूत और भोपाल निवासी 52 वर्षीय प्रकाश राव के रूप में हुई है। सारंगपुर के 60 वर्षीय मंशाराम सेन और 65 वर्षीय अवधनारायण घायल हैं।

पुलिस के अनुसार एमपी 09 सीएफ 3145 नंबर की ऑल्टो कार हरदा से खिरकिया की ओर जा रही थी। रास्ते में गड्ढे से बचने की कोशिश में चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन पलट गया।

घायलों को तत्काल एम्बुलेंस से जिला अस्पताल हरदा ले जाया गया। वहीं डीपाबड़ थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए।

खिरकिया एसडीएम शिवांगी बचेल ने बताया कि संबंधित विभाग से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा है कि बारिश थमने के बाद सड़क के गड्ढों को भरा जाएगा।

सुविधा के साथ अधिकारियों की सख्ती भी

हाल ही में 25 अगस्त को केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के विधायी सदस्य आरएन परबत ने कहा कि नए इनकम टैक्स कानून को लागू करने के मद्देनजर दिसंबर, 2025 के अंत तक नए नियमों के अनुरूप नए टैक्स फॉर्म सहित संपूर्ण तैयारी पूरी कर ली जाएगी। उल्लेखनीय है कि 21 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा लोकसभा और राज्यसभा में पारित इनकम टैक्स बिल 2025 को मंजूरी दिए जाने के बाद यह कानून के रूप में अधिसूचित कर दिया गया है। नया इनकम टैक्स कानून 1 अप्रैल, 2026 से मौजूदा इनकम टैक्स कानून 1961 की जगह लागू होगा। वस्तुतः नया इनकम टैक्स कानून महज कुछ धाराओं का बदलाव नहीं, बल्कि पूरी टैक्स व्यवस्था का कायापलट है। इससे देश में टैक्स सिस्टम के डिजिटल और सरल युग का नया दौर शुरू होने जा रहा है। इससे नए करदाता अपनी आमदनी के मुताबिक इनकम टैक्स देने के लिए बाध्य होंगे और नए कानून से देश की आर्थिक रफ्तार भी बढ़ेगी। खास बात यह भी है कि अभी मौजूदा इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

उल्लेखनीय है कि नया इनकम टैक्स कानून नई जरूरतों के मद्देनजर तैयार हुआ है। वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं। स्थिति यह है कि 1961 के इनकम टैक्स कानून में वर्ष 2024 तक 4,000 से ज्यादा संशोधन व सुधार हुए हैं। ऐसे जटिल हो चुके इनकम टैक्स कानून को सरल और व्यावहारिक बनाने के लिए नया इनकम टैक्स कानून 2025 एक सराहनीय कदम है।

निःसंदेह, नया इनकम टैक्स कानून पुराने कानून को लगभग 50 प्रतिशत तक सरल बनाता है। नया इनकम टैक्स कानून भाषा को आसान बनाने के साथ ही कटौतियों को स्पष्ट करता है और विभिन्न प्रावधानों के बीच क्रॉस रेफरेंसिंग को मजबूत करता है। नया कानून गृह संपत्ति से होने वाली आय, जिसमें मानक कटौती और गृह ऋण पर निर्माण-पूर्व ब्याज शामिल है, से जुड़ी अस्पष्टताओं को दूर करता है। नए कानून के माध्यम से टैक्स कानून को सरल बनाते हुए उसके पेजों की संख्या को आधा कर दिया गया है और अप्रासंगिक हो चुके प्रविधानों को हटा दिया गया है। अभी इनकम टैक्स रिटर्न भरने के दौरान मूल्यांकन वर्ष और वित्त वर्ष का उल्लेख करना होता था, लेकिन नए कानून में केवल टैक्स ईयर का उल्लेख करना होगा। साथ ही जिस वित्त वर्ष का टैक्स भरा जाएगा उसे ही टैक्स ईयर कहा जाएगा।

नए इनकम टैक्स कानून में वेतनभोगियों के लिए लाभप्रद प्रावधान हैं। बिना किसी कर देनदारी के शून्य टीडीएस सर्टिफिकेट की सुविधा मिलेगी। निजी पेंशन योजनाओं में एकमुश्त निकासी पर कर छूट मिलेगी। सरकार की यूपीएस पेंशन के तहत भी कर छूट के लाभ मिलेंगे। टीडीएस दावों में सुधार के विवरण दाखिल करने की समय सीमा घटाई गई है। नए इनकम टैक्स कानून के तहत छोटे करदाताओं को कुछ विशेष सुविधाएं दी गई हैं। नए टैक्स कानून में एमएसएमई की नई परिभाषा को टैक्स प्रविधान से जोड़ दिया गया है। अस्थायी रूप से खाली पड़ी इमारत या घरों पर नोशनल रेट टैक्स नहीं लगेगा। व्यावसायिक प्रापर्टी को इस तरह परिभाषित किया गया है कि अगर उनका अस्थाई रूप से इस्तेमाल न हो तो उन पर हाउस प्रापर्टी की तरह टैक्स नहीं लिया जाएगा। व्यवसायी, कारोबारी और कंपनियों द्वारा गैर-लाभकारी संगठनों व धार्मिक ट्रस्टों को दिए जाने वाले गुमनाम दान पर टैक्स छूट जारी रहेगी।

नए कानून में टैक्स अधिकारियों को सशक्त बनाया गया है। नए इनकम टैक्स कानून में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज़ और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। यदि किसी खर्च का विवरण आईटीआर में नहीं है और उस खर्च के बारे में विभाग को संतोषप्रद जवाब नहीं दिया जाता है तो उसे भी आय मान लिया जाएगा। टैक्स अधिकारी एकाउंट बुक को जांच के लिए 15 दिनों तक रख सकते हैं। नए कानून में प्रविधान के मुताबिक सर्च के दौरान सभी डिजिटल डॉक्यूमेंट्स जैसे कि फोन, लैपटॉप, ईमेल या अन्य डिजिटल उपकरण को टैक्स अधिकारी अपने कब्जे में ले सकता है।

देश में विगत एक दशक में इनकम टैक्स पैयर्स और इनकम टैक्स संग्रहण में आशातीत इजाफा हुआ है, उसे अब और बढ़ाया जा सकेगा। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 1 अप्रैल से 11 अगस्त के बीच शुद्ध प्रत्यक्षकर संग्रह 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा है और सम्पूर्ण वर्ष में यह पिछले वर्ष के संग्रहण से अधिक होगा, लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इनकम टैक्स का योगदान बहुत कम बना हुआ है।

जयंतीलाल भंडारी

पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में टैक्स से जीडीपी अनुपात 11.7 फीसदी रहा है। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुट्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है।

उम्मीद करें कि एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाला नया इनकम टैक्स कानून 2025 आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्वपूर्ण उपयोगिता देगा।

केंद्रीय मंत्री के साथ सीएम ने द्वितीय 'रूह मेंटिक' का किया शुभारम्भ

माही की गूंज, उज्जैन।

धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से 27 अगस्त का दिन मध्यप्रदेश के लिए बेहद खास रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय पर्यटन-संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 27 अगस्त बुधवार को उज्जैन में द्वितीय वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन सम्मेलन 'रूह मेंटिक' का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में सरकार-प्रशासन से लेकर संतों ने प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को लेकर गंभीर मंथन किया। इस मंथन में यह बात निकल कर आई कि वह दिन दूर नहीं, जब उज्जैन वैश्विक पर्यटन का केंद्र होगा। कार्यक्रम को सीएम डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के अलावा पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों और इस्कॉन प्रमुख ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में तिरुपति ट्रस्ट, शिरडी साईंबाबा ट्रस्ट, काशी विश्वनाथ ट्रस्ट के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि, उज्जैन काल की नगरी है। आज का काल भारत का है। दुनिया में जो भारत से प्रतियोगिता कर रहे हैं, वे आज अपने आप को कमजोर मान रहे हैं। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण ने अनेक कलाएं और विद्या ग्रहण कीं। आत्म चिंतन के लिए भारत से अच्छा दुनिया में कोई स्थान नहीं है। आज देशों की सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन धर्म और संस्कृति की कोई सीमा नहीं हैं। भारतीय संस्कृति ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान तक फैली है। उज्जैन में 1000 बीघा जमीन पर बाबा महाकाल का मंदिर बना हुआ है। आनंदपुर धाम में निरंकारी भाव से गुरु महाराज की भक्ति की जा रही है। ईश्वर ने हमें प्रकृति के साथ मिलकर चलने की सीख दी है। भगवान की भक्ति के साथ शरीर की क्षमताओं का उपयोग करें। पर्यटन के साथ तीर्थाटन के माध्यम से जनकल्याण की कल्पना इस आयोजन के माध्यम से की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में आध्यात्मिक पर्यटन को गति प्रदान करने की दृष्टि दी है। देवी अहिल्या बाई ने काशी में बाबा विश्वनाथ का मंदिर बनाया। उज्जैन के राजा विक्रमादित्य ने 2000 साल पहले मंदिर बनवाया था, जो बाबर के काल में गिरा दिया गया था। देश का पुराना संसद भवन मुरैना के मंदिर और नया भवन विदिशा के बीजापुर मंदिर के डिजाइन पर बना है, ये हमारे लिए गर्व की बात है। हमारे देवालय भी लोकतंत्र का आधार हो सकते हैं।

उज्जैन में लगातार बढ़ रहा पर्यटन

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज पूरा विश्व प्रथम पूज्य श्रीगणेश की आराधना में लीन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्य प्रदेश को विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया है। विश्व में अनेक संस्कृतियों का जन्म हुआ, लेकिन भारतीय संस्कृति आज भी जीवंत है। हमारी संस्कृति ने 2000 साल तक आक्रमण झेला, 200 साल की गुलामी झेली, लेकिन आज भारतीय संस्कृति समृद्ध है। आज से ढाई हजार साल पहले दुनिया में जब मानव अपना वजूद खोज रहा था, तब भारत में तीर्थाटन की परंपरा थी। आदि शंकराचार्य ने केरल से पर्सिया तक 24 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारतीय संस्कृति से दुनिया का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि देश में ब्रिटिश काल में लेखकों ने भारतीय ऐसिहासिक वैभव की अपने तरीके से व्याख्या की। लेकिन, आज भारत एक भारत है। इसका उदाहरण प्रयागराज महाकुंभ है। जहां हर मत, पंत संप्रदाय के लोग एक मंच पर आए और विश्व शांति का संदेश दिया। सैकड़ों साल पहले जब इंफ्रास्ट्रक्चर इतना डेवलप नहीं था, तब भी लोग केदारनाथ और बद्रीनाथ तीर्थाटन के लिए जाते थे। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है। उज्जैन में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। पहले जितने लोग साल भर में आते थे, उतने अब एक से डेढ़ हफ्ते में आ जाते हैं। देश में 30 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। भारत में पिछले साल 250 करोड़ लोगों ने डोमेस्टिक ट्रैवल किया है। यह संख्या 20 प्रतिशत की दर से बढ़ने वाली है। आज हर स्तर की पर्यटन संभावनाएं विकसित करने के लिए राज्यों के बीच गला काट प्रतियोगिता चल रही है। मध्यप्रदेश हार्ट ऑफ इंक्रेडिबल इंडिया है। मध्य प्रदेश के पास टूरिज्म सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। भारत के पास दुनिया की सबसे प्राचीन परंपरा और विरासत है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि देश में घरेलू पर्यटन बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। आज देश सांस्कृतिक पुनर्जागरण से गुजर रहा है। भारतवासियों का देश के प्रति नजरिया बदल गया है। हमारे देशवासियों ने अपनी परंपरा और संस्कृति पर गर्व करना शुरू कर दिया है। भारत बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को महाकाल की सबसे ज्यादा सेवा का अवसर मिला है।

कुंवारी कन्याओं ने सुयोग्य वर तथा सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र की कामना हेतु किया हड़तालिका व्रत

माही की गूंज, आम्बुआ

भादौ मास के शुक्ल पक्ष की तीज को महिलाओं द्वारा किए जाने वाले निर्जला उपवास जिसे हड़तालिका व्रत कहते हैं आज क्षेत्र में पारंपरिक रूप से मनाया गया। जिसमें शिव तथा शक्ति की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

जैसा कि वेद पुराणों में वर्णित है कि भादौ मास के शुक्ल पक्ष की तीज तिथि को महिलाओं द्वारा हड़तालिका तीज व्रत किया जाता है। जिसमें दिन भर निर्जला रह कर शिवशक्ति की आराधना की जाती है तथा मिट्टी से बनी प्रतिमाओं का पूजन प्राकृतिक रूप से पेड़ों की पत्तियों, फूलों,फलों विभिन्न प्रकार के मिष्ठान्नों, तथा सुहाग सामग्रियों से पूजा अर्चना की गई तथा व्रत के महत्व की कथा सुनी गई। यह व्रत कुंवारी कन्याओं द्वारा भविष्य में सुयोग्य वर हेतु तथा सुहागिनों द्वारा अपने पति की लंबी उम्र की कामना से किया गया, रात्रि में जागरण किया गया। जिसमें महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन किए गए तथा सुबह प्रभात काल में मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को विसर्जित किया गया। दिनभर मंदिरों में महिलाओं की भीड़ उमड़ती रही।

गणेश चतुर्थी बना सद्भावना की मिसाल

माही की गूंज, रतलाम।

27 अगस्त यानी आज गणपति बप्पा के उत्सव का आगाज हो गया है। इस बीच देश के कई हिस्सों में स्थित भव्य पंडालों और गणपति की मूर्तियों की जहां चर्चा हो रही है उसमें मध्य प्रदेश के रतलाम के सर्किल जेल के कैदियों द्वारा बनाई जा रही गणपति मूर्तियों की भी चर्चा है।

रतलाम की सर्किल जेल में बंदियों द्वारा पिछले 25 दिनों से गणेश मूर्तियां बनकर तैयार की जा रही है। मूर्तियां बेहद सुंदर और आकर्षक है जिसकी सभी लोग सराहना कर रहे हैं। सर्किल जेल के इन बंदियों की बनाई गई मूर्तियों को घर ले जाकर लोगों लोग स्थापित कर विधिवत पूजा अर्चना भी कर रहे हैं।

रतलाम की सर्किल जेल के जेलर ने बताया कि, जिला सर्किल जेल में बंद बंदियों द्वारा पिछले 25 दिनों से गणेश मूर्तियां बनाई गई हैं। इनमें मुस्लिम बंदियों द्वारा भी कई गणेश जी की मूर्तियां बनाई गई हैं और मुस्लिम बंदियों की आस्था भी गणेश मूर्तियां बनाने में दिखाई दी। सर्किल जेल में बंद बंदी सलमान ने कई सुंदर गणेश मूर्तियां बनाई हैं।

सलमान ने बातचीत में बताया कि, पिछले दिन सालों से रतलाम की सर्किल जेल में बंदियों द्वारा गणेश मूर्तियां बनाई जा रही हैं जो इस वर्ष भी बनाई गई हैं। हम लोग पिछले 25 दिनों से गणेश जी की मूर्तियां बना रहे हैं। जेल प्रशासन द्वारा दो बार हमे गणेश मूर्तियां बनाने की ट्रेनिंग दी गई थी और अब इस जेल के बंदी गणपति की सुंदर मूर्तियों को गढ़ रहे हैं।

अस्थियां लेने मुक्तिधाम पहुंचे परिजन रह गए हैरान

माही की गूंज, धार।

जिले के अंतर्गत आने वाले बदनावर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र की सनसनीखेज घटना ने नगर के लोगों को चौंका कर रख दिया है। दरअसल, बदनावर में स्थित नागेश्वर मुक्तिधाम में मृतक की खोपड़ी निकालकर तंत्र क्रिया किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बता दें कि, शनिवार को नगर के एक पूर्व पार्षद प्रकाश निनामा के बेटे रवि निनामा की एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी, जिसके चलते परिजन ने उसका अंतिम संस्कार किया था।

हादसे का शिकार हुए युवक का उसके परिजन द्वारा उसी दिन अंतिम संस्कार किया गया था। लेकिन अगले दिन रविवार को जब परिवारजन बेटे की अस्थियां लेने मुक्तिधाम पहुंचे तो वहां का दृश्य देख दंग रह गए। मृतक की खोपड़ी अलग रखी थी। साथ ही, खोपड़ी के नजदीक दो गिलासों में शराब, पांच कटे हुए नींबू जिन पर सिंदूर लगा था, चावल, चिरौंजी और अन्य हड्डियां रखी हुई थीं।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

परिजन का आरोप है कि, किसी ने तंत्र-मंत्र के लिए ये अंधविश्वासी कृत्य किया है। इस घटना से आक्रोशित परिवार ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू करने और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। ये घटना न सिर्फ अंधविश्वास की गहरी जड़ों को उजागर करती है, बल्कि समाज में जागरूकता के अभाव को दर्शाती है।

ज्योतिर्लिंग का क्षरण रोकने के लिए महाकाल के श्रृंगार में घटाई भांग की मात्रा

माही की गूंज, उज्जैन।

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में पुजारी अब भगवान महाकाल के श्रृंगार में तीन किलो से अधिक भांग का उपयोग नहीं कर सकेंगे। मंदिर समिति भगवान के श्रृंगार से पहले भांग का वजन कराएगी।

बता दें कि, यह व्यवस्था ज्योतिर्लिंग का क्षरण रोकने के उपायों की सिफारिश के क्रम में किया जा रहा है। श्रृंगार में अभी पांच से सात किलो भांग का उपयोग होता है। इसे घटाकर तीन किलो किया गया है। इसके लिए मंदिर में तौल कांटा भी लगाया जाएगा।

वर्ष 2017 में ज्योतिर्लिंग का क्षरण रोकने के लिए सारिका गुरु ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने आर्कियोलाजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) और जियोलाजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के विशेषज्ञों की समिति गठित की थी। विशेषज्ञों ने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग का परीक्षण कर क्षरण रोकने के लिए कई सुझाव दिए थे।

इनमें एक सुझाव भगवान महाकाल के श्रृंगार में भाग की मात्रा सीमित करने का भी है। महाकाल मंदिर में प्रतिदिन होने वाली पांच आरतियों में भगवान महाकाल का विशेष श्रृंगार किया जाता है। तड़के चार बजे होने वाली भस्म आरती तथा शाम को सात बजे होने वाली संध्या आरती में पुजारी भक्तों की ओर से अर्पित भांग से भगवान महाकाल का श्रृंगार करते हैं।

श्रद्धालु करा सकेंगे भगवान का श्रृंगार

महाकाल मंदिर में नित्य प्रति होने वाली पांच आरतियों में पुजारी भगवान महाकाल का कुमकुम, चंदन, भांग व सूखे मेवे तथा मावे से विभिन्न स्वरूप में श्रृंगार करते हैं। अब कोई भी श्रद्धालु भगवान महाकाल का श्रृंगार करवा सकता है। इसके लिए मंदिर कार्यालय में 1100 रुपये की श्रृंगार की रसीद कटवानी होगी।

तौल कांटा लगाया जाएगा

प्रशासक महाकालेश्वर मंदिर प्रथम कौशिक ने बताया कि, भगवान महाकाल के श्रृंगार में अधिकतम तीन किलो भांग का उपयोग करने का नियम है। इसका कड़ाई से पालन कराने के लिए अब तौल कांटा लगाया जा रहा है ताकि मात्रा अधिक न होने पाए।

नवयुगल जोड़ों को मिलेगा '49 हजार' रुपए का चेक

माही की गूंज, धार।

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना में शामिल नवयुगल जोड़ों को शादी के बाद से राशि का इंतजार था, जो अब खत्म होता नजर आ रहा है। सरकार द्वारा बजट आवंटित करने से हितग्राहियों को भी चेक प्रदान किए जा रहे हैं। जिले में अलग-अलग जगह शिविरों लगाकर हितग्राहियों को चेक दिए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि, 30 अप्रेल को उमरबन में जिला प्रशासन द्वारा सामूहिक विवाह का आयोजन किया था, जिसमें रिकॉर्ड दो हजार जोड़े शामिल हुए थे। शासन की योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 49 हजार की राशि प्रदान की जाना थी। लेकिन बजट नहीं होने से यह राशि अभी तक नहीं मिली थी।

जारी हो गया बजट

जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी ने बताया कि अब शासन से बजट जारी हो चुका है। जिले में 25 अगस्त यानी आज शिविरों के माध्यम से चेक प्रदान किए गए। इसकी शुरुआत मनावर और धरमपुरी से हो रही है। दोनों ही जगह पर केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा हितग्राहियों को चेक दिया। इसी प्रकार 26 अगस्त को गंधवानी में असयोजन हो चुका है और कुक्षी, 29 अगस्त को बदनावर और 30 अगस्त को सरदारपुर में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

गरीब बेटियों की शादी के लिए चलाई जा रही कन्यादान विवाह योजना में राशि नहीं मिलने से हितग्राही आर्थिक रूप से परेशान हो रहे थे। वहीं बार-बार सरकारी कार्यालय के चक्कर लगाना पड़ रहे थे।

प्रा.वि. में छत से टपकते पानी से शिक्षक और बच्चे परेशान

बचाव हेतु डाली गई तिरपाल तथा मध्यान्ह भोजन सामग्री ले गए चोर

माही की गूंज, आम्बुआ।

बस स्टैंड के समीप स्थित कन्या एवं बालक प्राथमिक विद्यालय जोकि वर्षों पूर्व बनाया गया था, आज उसके लगभग सभी कमरों की छतों से पानी टपक रहा है जिस कारण बच्चे तथा शिक्षक परेशान हैं। पानी से बचाव हेतु मरम्मत के नाम पर डाली गई तिरपाल भी मध्यान्ह भोजन सामग्री के साथ अज्ञात चोर ले गए, जिसकी रिपोर्ट थाने पर किए जाने की खबर है।

क़स्बे के बस स्टैंड क्षेत्र में वर्षों पूर्व पुराने कमरों को तोड़ कर कुछ कमरों का निर्माण किया गया था। इसी परिसर में माध्यमिक विद्यालय के भी कुछ कमरे संस्था तथा प्रशासनिक उदासीनता के कारण अनुपयोगी होकर पड़े हैं। जिन कमरों में अभी? शिक्षण कार्य किया जा रहा है उनकी हालत खस्ता हाल है कमरों की छतों का प्लास्टर उखड़ चुका है तथा बारिश में विगत वर्षों से पानी टपक रहा था इस वर्ष भी यही स्थिति बनी हुई है। पता चला है कि, छतों से पानी के रिसाव रोकने हेतु मरम्मत के नाम से जो राशि आवंटित की थी उससे छतों पर तिरपाल बिछाया गया था विगत दिनों 8/8/2025 की दरमियानी रात को अज्ञात चोर छत पर पड़ी तिरपाल तथा समीप ही स्थित मध्यान्ह भोजन की रसोई में रखा खाद्यान्न गैस सिलेंडर तथा बर्तन आदि निकाल लें गये। तिरपाल चोरी हो जाने के कारण छतों से पानी टपक ने लगा है, जिस कारण बच्चे तथा शिक्षक परेशान हो रहे हैं साथ ही शिक्षण सामग्री भी खराब हो रही है संस्था कार्यालय में कार्यालयीन सामग्री को बचाने हेतु टेबल पर भी प्लास्टिक बिछाना पड़ रहा है।

प्रा.अ. प्राथमिक विद्यालय मुकाम सिंह डुडबे ने बताया कि, संस्था के कमरों की छतों का प्लास्टर उखड़ गया है मरम्मत की जरूरत है।

वहीं प्राचार्य पी एम श्री उ मा वि आम्बुआ लोंगसिंह भयडिया का कहना है कि, संस्था के कमरों में पानी टपक रहा था। पता लगने पर उन कमरों की छतों पर तिरपाल बिछाया गया था। विगत दिनों अज्ञात चोर छत से तिरपाल तथा मध्यान्ह भोजन कक्ष से सामग्री चुरा ले गए तिरपाल चोरी के कारण छतों से पुनः पानी टपक ने लगा है।

पोहा फैक्ट्री में काम करने के दौरान हादसा

माही की गूंज, उज्जैन।

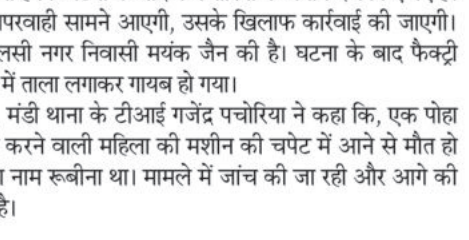

जिले की एक पोहा फैक्ट्री में मंगलवार की दोपहर महिला कर्मचारी की मौत हो गई। महिला मशीन के पास काम कर रही थी। इस दौरान उसके कपड़े मशीन में फंस गए। जब तक महिला कुछ समझ पाती तब तक उसके सिर के बाल भी मशीन की चपेट में आ गए। जिससे पूरे बाल उखड़ गए। घटना के बाद महिला को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

मामले में पुलिस का कहना है कि, जिसकी लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उज्जैन की विराट नगर क्षेत्र में रहने वाली 40 साल की रुबीना, छोटी मायापुरी स्थित डायमंड एग्रो पोहा फैक्ट्री में काम करती थी। मंगलवार दोपहर को फैक्ट्री में मशीन के पास काम करते समय वह हादसे का शिकार हो गई।

हादसे के बाद से फरार है फैक्ट्री मालिक

रुबीना के कपड़े मशीन में उलझ गए और वह मशीन की चपेट में आ गई। महिला की आवाज सुनकर मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल मशीन बंद कर दी। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी। फैक्ट्री के कर्मचारी घायल रूबीना को उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही चिमनगंज मंडी थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद कर्मचारियों के बयान दर्ज किए गए हैं। जिसकी भी लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पोहा फैक्ट्री तुलसी नगर निवासी मयंक जैन की है। घटना के बाद फैक्ट्री मालिक फैक्ट्री में ताला लगाकर गायब हो गया।

चिमनगंज, मंडी थाना के टीआई गजेंद्र पचोरिया ने कहा कि, एक पोहा फैक्ट्री में काम करने वाली महिला की मशीन की चपेट में आने से मौत हो गई। महिला का नाम रूबीना था। मामले में जांच की जा रही और आगे की कार्रवाई जारी है।

हे राम ये क्या...! कलेक्टर कार्यालय में कुत्ते की लेटरिंग सूखने के बाद भी सफाई नहीं

माही की गूंज, झाबुआ।

जी हां, आज का यह शीर्षक आंखों देखी व फोटो की मुंह-जुबानी न हो तो शायद यह कोई नहीं मानेगा कि, किसी कलेक्टर कार्यालय में जहां अधिकारियों की कार्यालय संचालित हो रही है और उनके कार्य स्थल जहा कुत्ते लेटरिंग कर जाते हैं और वह लेटरिंग सूख जाने पर भी उसकी सफाई नहीं की जाती है। यह एक अनचाहा व अविश्वसनीय दृश्य किसी को देखने मिल सकता है! पर यह सत्य है और यह दृश्य हमें झाबुआ के कलेक्टर कार्यालय में देखने को मिला। तथा जो भी कलेक्टेट में अपने काम से कोई गया और कुत्ते की लेटरिंग देखी वह ये ही कहता गया कि, हे राम ये क्या...! कलेक्टर कार्यालय में कुत्ते की लेटरिंग सूखने के बाद भी सफाई नहीं हो पा रही है।

वैसे तो हम बिना किसी विशेष कार्य के किसी भी कार्यालय में नहीं जाते हैं और न ही हम हमारा व किसी कर्मचारी या अधिकारी के पास बेवजह जाकर समय खराब नहीं करते हैं। काफी समय के बाद पिछले डेढ़ माह के दौरान झाबुआ कलेक्टोरेट के अंदर दो से तीन बार जाना हो गया। अभी हमारा इतनी बार यह जाना भी कलेक्टोरेट के अधिकारियों की मनमानी के चलते ही है। और इन डेढ़ माह में झाबुआ कलेक्टेट में पंकज कपूर का वह धारावाहिक ऑफिस-ऑफिस याद दिला दिया। हमने उक्त धारावाहिक में देखा था कि, एक आम आदमी को एक छोटे से कार्य के लिये किस तरह से एक से दूसरे व दूसरे से तीसरे अधिकारियों के पास चक्कर काटने पड़ते थे और महीनों-महीनों एक छोटे से काम के लिये भी किरदार पंकज कपूर (एक आम आदमी) को अधिकारी अपनी मनमर्जी व उटपटांग बातें कर एक-दूसरे पर ढोलकर कहते हैं कि, वह काम मेरा नहीं उसका है और दूसरा आधिकारी कहता यह काम मेरा नहीं उसका है और वो काम करेगा। उसी धारावाहिक की तर्ज पर झाबुआ कलेक्टेट में हमें स्वयं को इन डेढ़ माह में देखने को मिला। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि, एक आम आदमी को एक छोटे से कार्य के लिए भी आधिकारी किस तरह से गुमराह करते हुए परेशान कर ऑफिसो के चक्कर लगवाते होंगे।

प्रमाणिक नकल देने में आना-कानी आखिर क्यो

बता दे कि, थांदला में आधार कार्ड संचालक विनय गुप्ता के निर्देशन में निर्धारित राशि से अधिक राशि लिये जाने की प्रमाणित पुष्टि एक शिकायत के बाद 26 दिसंबर 2024 को थांदला एसडीएम साहब ने की और उच्च कार्रवाई हेतु पत्र क्रमांक 2803/2024 कलेक्टर (ई - गर्वनेस) जिला झाबुआ को मय कथन के प्रतिवेदन भेजा। उक्त प्रतिवेदन व उसपर की गई कार्रवाई की प्रामाणिक नकल हेतु पहले थांदला एसडीएम कार्यालय पर गए जहा कहा गया कि, नकल झाबुआ लोकसेवा कार्यालय से मिलेगी। जिसके बाद नकल शाखा झाबुआ में प्रतिवेदन 14 जुलाई 2025 को प्रस्तुत किया। तो यहां प्रभारी मैडम संध्या कुलकर्णी ने कहा मेरे पास राजस्व संबधित नकल मिलेगी। यह नकल आपको ई-गर्वनेस के जिला प्रबंधक राजू बिलवाल द्वारा दिये जाने की बात कही।

कलेक्टोरेट के अंदर अधिकारियो के कार्य स्थल पर फोटो क्र 1 मे गोल घेरे में देख सकते है कि, यहा शराब की खाली बॉटल पडी है। वही फोटो क्र 2,3व4 में कुत्ते की लेटरिंग पडी है और उसके सुख जाने के बाद तक भी गंदगी की सफाई नही की गई। माही की गूंज की पैनी नजर फोटो की जुबानी

नकल शाखा से पहले लोक सेवा प्रबंधक संत कुमार चौबे के पास नकल हेतु प्रतिवेदन भेजा गया वहा मना करने पर प्रतिवेदन ई-गवर्नेस कार्यालय को भेजा गया। लेकिन जो नकल 7 दिन में देना थी उसके लिये आज-कल कहकर डेढ़ माह के बाद भी यहां से नकल नहीं दी गई। 21 अगस्त को ई-गर्वनेस के जिला प्रबंधक राजू बिलवाल लोक सेवा केंद्र के जिला प्रबंधक संत कुमार चौबे से मिलने गए और कहा कि, थांदला एसडीएम कार्यालय से मेल मेरे पास आया था परंतु उक्त मेल व प्रतिवेदन लोक सेवा केंद्र के जिला प्रबंधक को भेज दिया गया था। चौबे जी से बात हो गई है एक लेटर लिखकर मांगा है वहां से नकल प्रतिवेदन दे देंगे।

ऐसे में 21 अगस्त को धारा 7 के अंतर्गत सूचना अधिकार के अंतर्गत एक प्रतिवेदन पुनः प्रस्तुत किया गया जिसमें 24 से 48 घंटे में लोकसेवा प्रबंधक द्वारा नकल देना अनिवार्य थी। उक्त नकल हेतु पुनः सोमवार 25 अगस्त को लोक सेवा प्रबंधक संत कुमार चौबे से नकल प्रतिवेदन लेने के लिये पहुंचे तो यहां काफी समय तक चौबे साहब इधर-उधर की बातें कर नकल देने से बचने का प्रयास किया। लेकिन अनिवार्य रूप से नकल चाहिये की बात पर डेढ़ महीने बाद भी चौबे साहब ने कहा, मुझे एक-दो दिन का समय दो मैं नकल दे दूंगा।

उक्त चौबे साहब के कार्यालय कलेक्टेट के प्रथम मंजिल पर पहुंचे तो कार्यालय जाने वाले रास्ते में ही लाल कलर से भरी कई बाटल रखी मिली साथ ही हमें दो जगह कुत्ते की लेटरिंग देखने को मिली जो सुख चुकी थी। लेकिन प्रथम मंजिल पर स्थित कार्यालय के किसी भी अधिकारी ने किसी को बुलवाकर यह लेटरिंग व गंदगी को सफाई करवाने का जदोजहत नहीं किया।

वही प्रथम मंजिल पर कलेक्टर मैडम स्वयं ने भी सोमवार को शिरकत की। जिसमें मैडम प्रथम मंजिल पर स्थित सभा कक्ष में सेवानिवृत कर्मचारियों के सम्मान व विदाई समारोह में सम्मिलित हुई थी। लेकिन हम कलेक्टोरेट कार्यालय में करीब 6 बजे तक रहे पर वह कुत्ते का मल व गंदगी सफाई नहीं की गई। वहीं उक्त गंदगी के साथ हमें यही पर शराब की एक खाली बोतल भी दिखी। जिससे स्पष्ट होता है कि, किसी कलेक्टर कार्यालय के कर्मचारियों ने शराब पीकर यह बोटल यहां फेंक दी होगी।

बात यहां यह कि, जिन जिला अधिकारियों के जिम्मे पूरे जिले की बागडोर है और ऐसे में अपने कार्य स्थल पर ही इस तरह की गंदगी पसरा रखी है। ऐसे अधिकारी जिले की गंदगी व अनियमितताओं पर कितना ध्यान देते होंगे यह सहज ही अंदाजा इस कुत्ते की लेटरिंग को कलेक्टोरेट के अंदर देखने मात्र से पता चलता है जिसकी सफाई तक नही करवाई गई।

पहले शादीशुदा नाबालिग प्रेमी ने रेलवे ट्रेक पर की आत्महत्या और दो दिन बाद लापता नाबालिग प्रेमिका ने की आत्महत्या चिंतनीय

माही की गूंज, बामनिया / खवासा। गोरव भंडारी, सुनिल सोलंकी

शुक्रवार 22 अगस्त को बामनिया चौकी क्षेत्र के ग्राम मोईचारण निवासी अजय पिता पप्पू गामड़ ने रेलवे ट्रैक पर ट्रेन आते समय कूद पड़ा और आत्महत्या कर ली। रेलवे पुलिस ने किये मर्ग कायमी में युवक की उम्र करीब 18 वर्ष दर्शाया गया बताया। यानीकि युवक 18 वर्ष की उम्र के साथ नाबालिक ही था। वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में नाबालिक युवक अजय गामड़ ने आखिर क्यों आत्महत्या की थी...? की चर्चा थी और कोई खुलासा नहीं हो पाया था। लेकिन मृत अजय शादीशुदा था यह बात जरूर सामने आई थी।

वही खवासा चौकी के अंतर्गत ग्राम पंचायत रन्नी के कलालिया फलिया निवासी गलियां मैंड़ा जिसकी लड़की सांझा जिसकी उम्र मात्र 14-15 वर्ष बताई जा रही है और वह पिछले 6 माह से घर से लापता थी। जिसकी खवासा पुलिस चौकी से लेकर एसपी कार्यालय में लिखित में नाबालिक सांझा पिता गलिया मैड़ा की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई। और पुलिस पर गुमशुदगी दर्ज नहीं करने व नाबालिक सांझा को ढूंढकर नहीं लाने के आरोप परिजन व स्थानीय जनप्रतिनिधि लगा रहे थे। इसी बीच अजय की बामनिया रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या के दो दिन बाद रविवार को खवासा पुलिस को सूचना मिलती है कि, खवासा चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत धुमड़ीया के ग्राम भूरी घाटी में एक पानी से भरे निजी कुप के अंदर फंदा लगाकर एक अज्ञात लड़की ने अपने कपड़े से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। सुचना पर खवासा पुलिस मौके पर पहुंची और उसकी पहचान 6 माह से लापता रन्नी की 15 वर्षीय नाबालिक सांझा पिता गलियां मैड़ा के रूप में हुई।

नाबालिक सांझा के गले में मंगलसूत्र पहना मिला। वही कूप की मुंडेरी के पास सांझा के दोनों चप्पल, एक लड़के के फोटो, स्वयं के फोटो, पैसे, चूड़ियां आदि सामग्री मिली। जिसे पुलिस ने जप्त कर तस्दीक में लिया गया।

घटना स्तर पर मिले लड़के के फोटो की तस्दीक करने में सामने आया कि, वह फोटो दो दिन पूर्व बामनिया ट्रैक पर जिस युवक अजय ने आत्महत्या कर ली है उसका फोटो है। जिसके बाद से यह सामने आ रहा है कि, नाबालिक अजय 18 वर्ष जो की, नाबालिक होने के बाद भी शादीशुदा था और अजय का प्रेम प्रसंग 15 वर्षीय नाबालिक सांझा के साथ था और सांझा के गले में पहना मिला मंगलसूत्र से यह स्पष्ट होता है कि, अजय व सांझा ने भी शादी कर ली थी।

15 वर्षिय नाबालिक सांझा ने धुमडीया में जा कर फंदा लगाकर पानी से भरे कुप में की आत्महत्या। आत्म हत्या के पहले सांझा ने अपने चप्पल के साथ सभी सामग्री रखी जिसका पुलिस कर रही अवलोकन।

नाबालिक और आत्महत्याए आखिर क्यों ...?

सांझा व अजय दोनों का नाबालिक होना, अजय नाबालिक होकर पहले से शादीशुदा होना, उसके बाद 15 वर्षीय सांझा से प्रेम प्रसंग होना, लंबे समय तक उनका लापता होना और इस तरह से एक के बाद एक आत्महत्या...? करने का यह दृश्य व घटना कई सवालों को खड़ा करता है। सबसे पहली बात तो शासन-प्रशासन का अमला नाबालिक विवाह पर पूर्ण रूप से नजर गड़ाए हुए हैं। उसके बावजूद भी मध्य प्रदेश की महिला एवं बाल विकास विभाग की कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया के विधानसभा क्षेत्र में ही अजय की आत्महत्या के साथ ही यह सामने आया कि, वह 18 वर्ष का नाबालिक था और पूर्व से शादीशुदा था! यानीकि एक कैबिनेट मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में ही छोटी उम्र में ही आज भी शादियां हो रही है। यानीकि यहां यह स्पष्ट होता है कि, शासन व प्रशासन के दावे जो की नाबालिक शादियां पूर्णतः से प्रतिबंध है खोखले ही दिखाई दे रहे हैं और जो शासन-प्रशासन की नजर नाबालिक शादियों पर गड़ाई हुई है वह भी एक महज जुमला ही कहा जा सकता है।

18 वर्षिय अजय ने रेलवे ट्रैक पर जाकर की आत्म हत्या।

वही सबसे बड़े चिंतन की बात यह है कि, एक लड़की 13-14 वर्ष की उम्र में रजस्वला धर्म में आती है और इसी उम्र में लड़के-लड़की का प्रेम-प्रसंग होना बहुत चिंतनीय है। क्योंकि यह उम्र महज एक खेलकूद की और अपने भविष्य को बनाने के लिये शिक्षा को ग्रहण करने की उम्र होती है।

वही उक्त आत्महत्या आखिर क्यों हुई...? यह सवाल हर किसी का है। क्योंकि आदिवासी समाज में नाबालिक का विवाह होना सामान्य बात हैं। वही आदिवासी समाज में शादी के बाद भी अन्य महिला को भगाकर ले जाने व अन्य से शादी करने के वाक्ये भी सामान्य है। समाज में जहां हम भांजगड़ी प्रथा को गलत जरूर कहते हैं लेकिन इस समाज में सबसे अच्छी यह बात है कि, शादीशुदा या लड़की को लाने-भगाने या प्रेम प्रसंग होने व बड़े से बड़े मामले होने के बाद भी इसी भाजंगड़ी प्रथा के साथ मामलों का समाधान भी हो जाता है और उसके बाद कोई विवाद या वैर नही रखते है। ऐसे में इसमें कोई इतनी बड़ी बात नहीं थी और अजय व सांझा मामले में आगे पीछे आदिवासी समाज में समाधान के रास्ते थे। बावजूद यह आत्महत्या कई कारणों को खड़ा करती है कि, आखिर क्यों इन्होंने आत्महत्याए की...?

वही अजय ने तो रेलवे ट्रैक पर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली लेकिन दो दिन बाद पानी से भरे कुप में फंदा लगाकर 15 वर्षीय सांझा ने आत्महत्या की वह भी मोईचारण या रन्नी में नहीं। बल्कि दोनों गाव से दूर स्थान धूमडीया में। सांझा ने आत्महत्या के पूर्व अपने दोनों चप्पल निकालना, पैसे, चूड़ी, फोटो सभी सामान बाहर रखना और फिर फंदा लगाकर पानी से भरे कुप में आत्महत्या करना यह भी कई सवालों को खड़ा करता है। क्योंकि सबसे पहले सांझा की उम्र 15 वर्ष थी और आत्महत्या करने के लिए इस तरह की तरकीब लगाना और आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त करना। तथा अपने पास की सारी सामग्री बाहर रखकर आत्महत्या करना यह कही न कहीं समझ से परे हैं। क्योंकि आत्महत्या करने वाला व्यक्ति इतनी देर विचारों के अधीन नहीं रहता है वह तो सीधा बिना समय बिताए आत्महत्या कर लेता है जैसे अजय की घटना।

पुलिस द्वारा भी जांच में प्रथम दृष्टिया प्रेम प्रसंग का मामला बताया जा रहा है। और पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। लेकिन हम यहां यही कहेंगे कि, इन नाबालिक की आत्महत्या के कारणों को जानना जरूरी है। क्या आत्महत्याओं के लिए कोई दबाव डाला गया था और सांझा का धुमड़िया में आकर आत्महत्या करना वो भी पानी से भरे कुप में फंदा लगाना और अपने चप्पल के साथ अन्य सामग्री बाहर छोड़ फंदे पर लटकना इन सभी एंगल पर पुलिस को गंभीरता से जांच करना आवश्यक है।

वही लड़की के परिजनों व सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत रन्नी का आरोप है कि, इस नाबालिक सांझा की गुमशुदगी को पुलिस गंभीरता से लेती और उसकी तलाश कर ले आती तो आज यह दोनों घटना नहीं होकर दोनों परिवार में मातम नहीं रहता।

कलयुगी बेटे ने की पिता की हत्या, पोस्टमार्टम नहीं होता तो हत्या का खुलासा भी नहीं होता

माही की गूंज, झाबुआ।

जब कहीं ऐसी अनचाही घटना सामने आती है जिसमें अपने ही माता-पिता, पति या पत्नी की हत्या कर दी गई है तो ऐसे में हर एक आम आदमी का खून खोल उठता है। और ऐसे कलयुगी हथियारों पर कोई किसी प्रकार की दया नहीं दिखता है। ऐसे हथियारों को कानून जब सजा देगा तब की बात है पर आम लोगों की मंशा यही रहती है कि, ऐसे हथियारों को तत्काल फांसी की सजा दे दी जाए या खुले चौराहे पर ऐसे कलयुगी हत्यारों के टुकड़े कर-कर के सजा देनी चाहिए। ताकि भविष्य में कोई इस तरह का घिनौना कृत्य करने के पहले हजारों बार सोचने पर मजबूर हो जाए।

कुछ ऐसी ही दर्द विदारक मौत एक कलयुगी पुत्र ने अपने ही पिता को दे दी और षड्यंत्र रचा की पिता सीढ़ियों से गिर गए और उनकी मौत हो गई। शहर के राधाकृष्ण मार्ग पर स्थित निवासी पृथ्वीसिंह राजपूत जिनके साथ में उनका बेटा युवराज व बहू रहती थी। 1 अगस्त को सुबह बेटे युवराज ने मोहल्ले वासियों व परिजनो को बताया कि, पिता सीढ़ियों से गिर गए और चोट आने से उनकी मौत हो गई। लेकिन किसी को भी कहीं न कहीं युवराज की कही यह बात हजम नहीं हुई।

बताया जाता है कि, आए दिन बेटा युवराज, पिता की संपत्ति को अपने नाम से करवाने के लिये विवाद करता रहता था। और लोगों को शंका थी कि, कही यही विवाद पृथ्वीसिंह राजपूत की मौत का कारण तो नहीं है...? इसी शंका के साथ पृथ्वीसिंह राजपूत का पोस्टमार्टम भी करवाया गया। वही चर्चाओं के दौर के साथ 1 अगस्त को अंतिम संस्कार व 11 अगस्त को पगड़ी रस्म का आयोजन हुआ। जब 21 अगस्त को पुलिस को मिली पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि, किसी वजनी हथियार से पृथ्वीसिंह राजपूत के सिर में करीब 10 चोट व शरीर के अन्य हिस्से में करीब तीन चोट है। तथा मौत का कारण किसी एक चोट के नहीं बल्कि अधिक चोटों के कारण मौत हुई है। पुलिस ने बेटे युवराज व बहू को जब पूछताज के लिये हिरासत में लिया तो, पुरे मामले में युवराज की पत्नी पूरी घटना से अनभिज्ञ थी। यानीकि कलयुगी उर्फ शातिर युवराज ने अपनी पत्नी को भी अपने पिता की मौत का असली कारण नहीं बताया और सीढ़ियों से गिरने का हवाला ही दिया गया। वहीं कड़ी पूछताछ के बाद युवराज ने संपत्ति अपने नाम से नहीं करने का कारण बताकर अपने पिता की हत्या करना स्वीकार किया।

उक्त हत्या के खुलासे के बाद शहरवासी का यही कहना है कि, युवराज जैसे कलयुगी पुत्र को तत्काल फांसी की सजा दे देनी चाहिये, नहीं तो बीच चौराहे पर लाकर ऐसे हथियारों के टुकड़े-टुकड़े कर मौत की सजा देनी चाहिए। जिससे सबक लेकर किसी धन या संपत्ति की लालच में अपने माता-पिता की कोई हत्या भविष्य में करने की भी ना सोचे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422